04 - सुलगते नेपाल की यह दुर्दशा

05 - जमुना बेहराः व्यक्तित्व के साथ परिवेश को भी बनाया बेहतर

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 12 सितंबर, 2025

06 - ट्रैक्टर की ट्राली एवं रोटावेटर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा...

07 - पीएम मित्र पार्क बदलेगा देश के दिल की तस्वीर, औद्योगिक...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 15, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

नेपालः अराजकता के बीच राजशाही वापसी की बात में कितना दम?

पंकज श्रीवास्तव

नेपाल में जारी अराजकता और Gen Z आंदोलन के बीच राजशाही की वापसी की मांग तेज़ हो रही है। क्या नेपाल फिर से राजशाही की राह पर लौट सकता है या यह सिर्फ राजनीतिक शोर है?

जेन-जेड के नेतृत्व में भड़के आंदोलनों ने राजधानी काठमांडू को हिलाकर रख दिया। सोशल मीडिया पर बैन, भ्रष्टाचार और 20.8 प्रतिशत बेरोजगारी दर ने युवाओं का गुस्सा भड़काया। संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, और मंत्रियों के घरों पर हमले हुए। 22 लोग मारे गए, 347 घायल। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को 9 सितंबर को इस्तीफा देना पड़ा, और सेना ने कमान सँभाल ली। इस बीच कुछ लोग राजशाही की वापसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन क्या यह संभव है? वैसे नेपाल का इतिहास हत्याकांडों, साजिशों, और जनसंघर्षों का थ्रिलर जैसा है।

8 सितंबर को जेन-जेड (1997 के बाद जन्मे युवा) ने सोशल मीडिया बैन, भ्रष्टाचार, और बेरोजगारी के खिलाफ सड़कों पर उतरकर हिंसक प्रदर्शन किए। 9 सितंबर को गृहमंत्री रमेश लेखक और पीएम के.पी. ओली ने इस्तीफा दे दिया। सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की अपील की। उन्होंने कहा, 'राष्ट्र के सर्वोच्च हितों की रक्षा करना हमारा साझा कर्तव्य है।'

सवाल उठता है कि क्या यह आंदोलन स्वतःस्फूर्त था या इसके पीछे कोई बड़ा षड्यंत्र? कुछ लोग राजा ज्ञानेंद्र की वापसी की मांग कर रहे हैं, और मार्च 2025 में 'राजा लाओ, देश बचाओ' के नारे के साथ प्रदर्शन भी हुए थे, जिसमें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें दिखी थीं। यह भारत के हिंदुत्ववादी प्रभाव का संकेत माना गया, जो नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग से जुड़ा है और इसकी जड़ें नेपाल के इतिहास में हैं।

1768 में पृथ्वीनारायण शाह ने गोरखा रियासत से नेपाल का एकीकरण शुरू किया। गोरखा, एक छोटा पहाड़ी राज्य, उनकी पैतृक जमीन थी, इसलिए इसे गोरखा राज कहा गया। उन्होंने बाइसी-चौबीसी (22 और 24 छोटे राज्य) और मल्ल राज्यों को जीतकर काठमांडू को राजधानी बनाया। नेपाल को 'असल हिंदुस्तान' कहा, यानी हिंदुओं की भूमि। उनकी गोरखाली सेना की वीरता इतनी मशहूर थी कि अंग्रेज़ों ने बाद में गोरखा रेजीमेंट बनाई। शाह वंश ने 1768 से 2008 तक 240 साल राज किया, जिसमें 10 राजा हुए। लेकिन 1814-1816 के एंग्लो-नेपाली युद्ध में सुगौली संधि से नेपाल ने कुमाऊं, गढ़वाल, और सिक्किम खो दिया, जो आज भारत का हिस्सा हैं।

1846 में नेपाल के इतिहास में एक खूनी अध्याय लिखा गया - कोत परवा। राजा राजेंद्र बिक्रम शाह के समय रानी राजेंद्र लक्ष्मी और दरबारी गगन सिंह खवास सत्ता के केंद्र में थे। 19 सितंबर 1846 को गगन सिंह की हत्या हुई। रानी ने जाँच के लिए हनुमान ढोका दरबार में सभा बुलाई, जहाँ जंग बहादुर कुँवर ने अपने सैनिकों के साथ 30-40 दरबारियों, जैसे प्रधानमंत्री फतेह जंग शाह, की हत्या कर दी। जंग बहादुर ने सत्ता हथिया ली, राजा को कैद किया, और उनके बेटे सुरेंद्र को गद्दी पर बिठाया। उन्होंने राणा उपाधि ली और राणा शासन (1846-1951) शुरू किया। शाह राजा नाममात्र के बने, सारी शक्ति राणाओं के पास थी। राणा ब्रिटिश के समर्थक थे, जिससे नेपाल स्वतंत्र रहा।

राणा शासन के खिलाफ पहला संगठित विद्रोह 1940-41 में प्रजा परिषद आंदोलन था। राणा शासन का अंत 1951 में हुआ। राजा त्रिभुवन ने नेपाली कांग्रेस के बी.पी. कोइराला और गणेशमान सिंह के सशस्त्र विद्रोह का समर्थन किया। 6 नवंबर 1950 को त्रिभुवन भारतीय दूतावास में शरण लेकर दिल्ली गए। दिल्ली समझौता (1951) से राणा शासन खत्म हुआ, और संवैधानिक राजतंत्र के साथ प्रजातंत्र आया। 1951 का अंतरिम संविधान लागू हुआ।

1955 में राजा त्रिभुवन की मृत्यु के बाद उनके बेटे महेंद्र राजा बने। 1960 में महेंद्र ने तख्तापलट कर लोकतांत्रिक सरकार भंग की और पंचायत व्यवस्था शुरू की। 1962 के संविधान में नेपाल को हिंदू राज्य घोषित किया गया। राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा, और राजा सर्वोच्च बने। 1979 में छात्रों ने भ्रष्टाचार और दमन के खिलाफ आंदोलन किया। इस दौरान जुल्फिकार अली भुट्टो की फाँसी (4 अप्रैल 1979, पाकिस्तान) ने दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की लहर को प्रेरित किया। आंदोलन के दबाव में1980 में राजा वीरेंद्र ने जनमत संग्रह कराया, जिसमें 54.99 प्रतिशत ने पंचायत व्यवस्था को चुना, लेकिन आरोप लगा कि राजा ने धाँधली करायी।

1990 में जनआंदोलन की एक और लहर पैदा हुई। नेपाली कांग्रेस और वाम मोर्चे ने पंचायत व्यवस्था को हिला दिया। आखिरकार राजा वीरेंद्र ने संवैधानिक राजतंत्र और 1990 का संविधान स्वीकार किया। लेकिन माओवादी इससे संतुष्ट नहीं थे। 13 फरवरी 1996 को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी) ने पुष्प कमल दहाल (प्रचंड) और बाबूराम भट्टराई के नेतृत्व में जनयुद्ध शुरू किया। इसका लक्ष्य राजशाही और सामंती व्यवस्था को उखाड़कर जनवादी गणतंत्र बनाना था।

इस बीच, 1 जून 2001 को नरायणहिटी राजमहल नरसंहार हुआ। राजा वीरेंद्र, रानी ऐश्वर्या, और परिवार के 10 सदस्य मारे गए। बाद में राजा बने ज्ञानेंद्रशाह (वीरेंद्र के छोटे भाई) पर शक जताया। इसे 'आधुनिक कोत परवा' कहा गया। इसने राजशाही की साख को बर्बाद कर दिया।

इस बीच माओवादी जनयुद्ध जारी रहा जिसमें 17 हजार लोग मारे गए। 21 नवंबर 2006 को विस्तृत शांति समझौता हुआ, और माओवादी मुख्यधारा में आए। 28 मई 2008 को राजशाही खत्म हुई, और नेपाल गणतंत्र बना।

माओवादी 2008 के संविधान सभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बने, और प्रचंड प्रधानमंत्री बन गये। लेकिन नया संविधान बनाने में सात साल लगे। 20 सितंबर 2015 को नया संविधान लागू हुआ, जो नेपाल को संघीय, धर्मनिरपेक्ष, और समावेशी गणराज्य बनाता है। 017 के आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस को सबसे अधिक सीटें (80/165) मिलीं, लेकिन के.पी. शर्मा ओली (CPN-UML) ने गठबंधन बनाकर सरकार बनायी।

2008 से 2025 तक 14 सरकारें बनीं, कोई भी 5 साल नहीं चली। अस्थिरता और भ्रष्टाचार ने जनता को निराश किया। हालिया आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया में मंत्रियों और उनके बेटों के रईसी के क़िस्से और वीडियो खूब प्रचारित हुए। कहा गया कि आम जनता तकलीफ़ में है लेकिन नेता और मंत्री मौज में हैं। नेपाल की कहानी गोरखा राज से कोत परवा, त्रिभुवन की प्रजातंत्र स्थापना, माओवादी जनयुद्ध, और 2025 के जेन-जेड आंदोलन तक संघर्ष और बदलाव की है। जेन-जेड ने साबित किया कि जनता की आवाज दबायी नहीं जा सकती। लेकिन क्या 48 घंटे के अंदर सरकार उखाड़ फेंकने वाला यह आंदोलन केवल स्वतः स्फूर्त था या फिर किसी बड़े षड्यंत्र का नतीजा, इसका जवाब समय देगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार हैः मोदी

● काशी में स्वागत में उमड़ी भीड़ देख रामगुलाम ने कहा- आप यूं ही बड़ी जीत दर्ज नहीं करते

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी दौरे पर हैं। यहां उन्होंने मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। इसमें कई समझौते साइन किए गए। पीएम मोदी ने कहा- भारत और मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार हैं। यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है।

मॉरीशस की प्रगति और विकास की यात्रा में भारत हमेशा साथ रहाः मॉरीशस पीएम

वहीं, मॉरीशस के पीएम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा- भारत मॉरीशस की प्रगति और विकास की यात्रा में हमेशा साथ रहा है। वाराणसी पहुंचने पर मुझे और मेरी पत्नी को मिले स्वागत से हम आश्चर्यचकित रह गए। मेरा मानना है कि किसी भी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसा स्वागत कभी नहीं मिला होगा। मुझे खुशी है कि यह आपका निर्वाचन क्षेत्र है। मैं समझ सकता हूं कि आप इतनी बड़ी जीत कैसे दर्ज करते हैं।

3 किमी लंबा रोड शो हुआ- इससे पहले, पीएम मोदी पुलिस लाइन से 3 किमी लंबा रोड शो करते हुए होटल ताज पहुंचे। इस दौरान उनके वेलकम के लिए हजारों की संख्या में लोग सड़क किनारे खड़े रहे। काफिले पर फूल बरसाए। शंखनाद किया। उत्साह देखकर पीएम ने ड्राइवर से गाड़ी को लोगों के करीब ले जाने को कहा।

- **आईआईटी मद्रास और मॉरीशस की यूनिवर्सिटी के बीच समझौता-** पीएम मोदी ने कहा- भारत के आईआईटी मद्रास और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट ने यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के साथ समझौते हुए हैं। ये समझौते रिसर्च, शिक्षा और इनोवेशन में आपसी साझेदारी को नई पायदान पर ले जाएंगे।
- **भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता के साथ खड़ा-** पीएम मोदी ने कहा- मैं प्रधानमंत्री रामगुलाम और मॉरीशस के लोगों को चागोस समझौता संपन्न होने पर हार्दिक बधाई देता हूं। ये मॉरीशस की संप्रभुता की एक ऐतिहासिक जीत है। भारत ने हमेशा उपनिवेशवाद और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है। इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से साथ खड़ा रहा है।
- **मॉरीशस पीएम बोले- जो स्वागत मुझे मिला, उससे आश्चर्यचकित रह गया-** मॉरीशस के पीएम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा- हमारे और मेरे प्रतिनिधिमंडल के प्रति आपके दिखाए गए उदार शिष्टाचार के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। वाराणसी पहुंचने पर मुझे और मेरी पत्नी को मिले स्वागत से हम आश्चर्यचकित रह गए। मेरा मानना है कि किसी भी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसा स्वागत कभी नहीं मिला होगा।

केंद्र बोला- राष्ट्रपति-राज्यपाल पर डेडलाइन लागू करना गलत, अदालतों पर बोझ बढ़ाएगा

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली। कोर्ट ने 10 दिन तक चली दलीलों के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुनवाई के आखिरी दिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट को यह साफ करना चाहिए कि 8 अप्रैल को 2 जजों की बेंच का राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने का फैसला सही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर उस फैसले को ही सही माना गया तो भविष्य में बड़ी संख्या में याचिकाएं अदालत में दाखिल होंगी और न्यायपालिका पर बोझ बढ़ेगा। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अरविंद दातार ने केंद्र के इस तर्क का विरोध किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने इस बारे में कोई सवाल नहीं पूछा, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इस मुद्दे पर विचार नहीं करना चाहिए।

पुलिसकर्मी जाति-धर्म से ऊपर उठकर काम करें: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र के 2023 अकोला दंगों की जांच पर कहा कि पुलिस वर्दी पहनने के बाद अफसरों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर सिर्फ कानून के अनुसार काम करना चाहिए।

सुप्रभात

वो हक़ीक़त में भी ख्वाबों से
निकल कर आया
एक दरिया कि सराबों से
निकल कर आया।
एक बोसे से गुलाबों का
निकलना पहले
फिर अजब रंग गुलाबों से
निकल कर आया।
तब खुला मुझ पे कि
दुनिया तो अजब दुनिया है
जब मैं दुनियाओं में किताबों से
निकल कर आया।
बात थमती ही नई बात
निकल कर आई
एक सवाल और जवाबों से
निकल कर आया।
मुड़ के देखा नहीं सूरज की
किरण ने उसको
वो छनाक़ा जो हवाओं से
निकल कर आया।
वो हसीं निकला हसीनों के
हसीं झुरमुट से
इक शहंशाह नवाबों से
निकल कर आया।

- अमीर इमाम

प्रदेश के विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और योग्यता करें स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बच्चों के लिए बेहतर भविष्य का अवसर है। प्रदेश के विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, साइकिल, कॉपी-किताबें सहित अनेक सौगातें मिल रही हैं। इसी क्रम में आज स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 12वीं बोर्ड परीक्षा में स्कूल के टॉपर रहे 7 हजार 832 बच्चों को स्कूटी दी गई है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप प्रतिभावान विद्यार्थियों को गति से आगे बढ़ने के लिए उपलब्ध कराया गया साधन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम स्कूटी से आगे बढ़ इन विद्यार्थियों को मंत्री और अधिकारी के रूप में देश-प्रदेश की व्यवस्थाओं का संचालन कर, जनसामान्य का कल्याण और सेवा करते हुए देखना चाहते हैं। मुख्यमंत्री गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी वितरण और 20 लाख से अधिक बालिकाओं को सैनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 61 करोड़ रुपए से

अधिक की राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्रा कु. हर्षिता के साथ स्कूटी की सवारी की और उपस्थित विद्यार्थियों का अभिवादन कर उनसे संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ हितग्राही विद्यार्थियों ने समूह चित्र भी खिचवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शासकीय स्कूलों की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। राज्य सरकार बच्चों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें श्रेष्ठतम शैक्षणिक सुविधाएं और अनुभव देने के उद्देश्य से ही प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना हो रही है।

विश्व के बड़े से बड़े मंच की गरिमा प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी से ही होती है पूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में विश्व में भारत का समय चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं। भारतीयों ने ऐतिहासिक रूप से हर मुश्किल परिस्थिति में अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर दुनिया में पहचान बनाई है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। ब्रिटिश राज के दौरान उन्होंने अपनी योग्यता के बल पर भारतीयता की श्रेष्ठता विश्व में स्थापित की। आज भारत में लोकतंत्र की सबसे अच्छी खूबसूरती है कि यहां सामान्यजन भी देश और राज्य का सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी इसके श्रेष्ठतम उदाहरण है। वर्तमान में विश्व के बड़े से बड़े मंच की गरिमा प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी से ही पूर्ण होती है।

मथुरा-वृंदावन के आधे इलाके में बाढ़

● हरियाणा के घग्गर ड्रेन में दरार, 300 एकड़ फसल डूबी

नई दिल्ली/चंडीगढ़/लखनऊ/रायपुर (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में बारिश के कारण हालात अभी भी खराब हैं। हरियाणा के सिरसा में हिसार-घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन में बुधवार को फिर कटाव शुरू हो गया। ड्रेन में करीब 50 फीट चौड़ी दरार आ गई, जिससे 300 एकड़ फसल डूब गई।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों में पानी बढ़ गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा और वृंदावन में 50 प्रतिशत इलाका बाढ़ की चपेट में है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में बिजली गिरने की वजह से एयरपोर्ट पर नेविगेशन सिस्टम खराब हो गया था। इसके कारण 5 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं।

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती घेरा अगले 4-5 दिन रहेगा। इसका असर केवल तटीय और मध्य भारत तक सीमित रहेगा।

ट्रम्प समर्थक चार्ली कर्क की हत्या

यूनिवर्सिटी प्रोग्राम में गर्दन पर गोली मारी, शोक में 4 दिन अमेरिकी झंडा झुकाया

यूटा (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक और राइट विंग एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की गुरुवार को एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना यूटा राज्य की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में हुई। चार्ली यहां 'द अमेरिकन कमबैक टूर' प्रोग्राम में आए थे। चार्ली की हत्या पर ट्रम्प ने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, सच्चे महान अमेरिकी देशभक्त चार्ली कर्क के सम्मान में, मैं पूरे अमेरिका में सभी झंडों को रविवार शाम 6 बजे तक आधा झुकाने का आदेश दे रहा हूं।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत का 75वां जन्मदिन

पीएम मोदी ने लिखा- हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य हमारे पास भागवत जैसा सरसंघचालक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का 75वां जन्मदिन है। पीएम मोदी ने भागवत को बधाई देते हुए एक संदेश लिखा है। जिसमें लिखा है कि वे एक असाधारण व्यक्ति हैं, जिन्होंने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा।

मोदी ने लिखा- हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं।

पीएम मोदी के बधाई संदेश की बड़ी बातें... आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

इजराइल का 72 घंटों में 6 मुस्लिम देशों पर हमला, 200 की मौत 1000 घायल

नेतन्याहू बोले- जो अमेरिका ने किया, वही कर रहे

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइल ने पिछले 72 घंटों में 6 देशों पर हमला किए हैं। इसमें गाजा (फिलिस्तीन) समेत सीरिया, लेबनान, कतर, यमन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन हमलों में 200 से ज्यादा लोग मारे गए और 1000 से ज्यादा घायल हुए हैं।

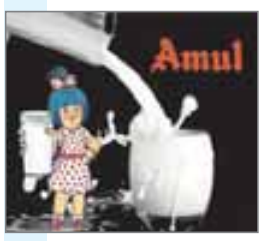

ये हमले सोमवार से बुधवार-गुरुवार के बीच में किए गए। इजराइल का कहना है कि वो इन देशों में आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे लेकर इजराइली पीएम नेतन्याहू से नाराजगी जताई है।

हालांकि इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के अधिकारियों पर किए गए हमले का बचाव किया। उन्होंने इस हमले की तुलना

9/11 के हमलों के बाद अमेरिका की कार्रवाई से की। उन्होंने कहा इजराइल ने भी वही किया जो अमेरिका ने उस वक्त किया था।

इजराइली सेना ने मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा पर हवाई हमला किया था। यह हमला हमास के चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया गया था। इसमें अल-हय्या का बेटा, ऑफिस डायरेक्टर, तीन गार्ड और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी समेत छह लोग 6 लोगों की मारे गए थे ।

इस हमले के वक्त हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे। इस हमले के बाद हमास ने युद्ध विराम से इनकार कर दिया।

लेबनान- 5 की मौत

इजराइल ने सोमवार को पूर्वी लेबनान के बेका और हरमेल जिलों में हवाई हमले किए, जिसमें 5 लोगों की जान गई। इजराइली सेना ने दावा किया कि इस हमले में हिजबुल्लाह के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालांकि हिजबुल्लाह ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

इजराइल ने सीरिया पर किया हमला- इजराइली फाइटर जेट ने सोमवार को सीरिया के एयरफोर्स बेस और सेना के कैंप पर हमले किए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक इसमें किसी के हताहत की सूचना नहीं मिली है।

जीएसटी बदलाव के बाद भी सस्ता नहीं होगा अमूल दूध

- कंपनी बोली इस पर पहले से ही जीरो टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 सितंबर से लागू हो रहीं नई जीएसटी दरों के बाद भी अमूल का दूध सस्ता नहीं होगा। गुजरात को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा कि

पाउच वाले मिल्क पर पहले से ही जीएसटी जीरो है, तो इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केवल अल्ट्रा हाई टेम्प्रेचर मिल्क की कीमतें 22 सितंबर से कम होंगी, क्योंकि इस पर त्रस्त्र 5त्र से हटाकर जीरो कर दिया गया है। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा था कि जीएसटी दरों में बदलाव के बाद पाउच मिल्क की कीमतें 3-4 रुपए प्रति लीटर कम होंगी।

संजय सिंह का दावा

किया श्रीनगर में नजरबंद

- फारूक को मिलने से रोका

श्रीनगर (एजेंसी)। आप सांसद संजय सिंह गुरुवार को विधायक मेहराज मलिक की पीएसए के तहत गिरफ्तारी का विरोध करने श्रीनगर पहुंचे थे। वे यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गेस्ट हाउस में नजरबंद कर दिया और मीडिया

से बात नहीं करने दी। जब इसका पता जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को चला तो वह उनसे मिलने सरकारी गेस्ट हाउस पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मिलने नहीं दिया। संजय सिंह ने गेट पर आकर उनसे मुलाकात की।

प्रधानमंत्री जी का आगमन सौभाग्य की बात, तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता

पीएम मित्रा पार्क से आदिवासी अंचल में खुलेंगे विकास के नए द्वार, आएगी समृद्धि: डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आगामी 17 सितंबर को धार जिले की बदनावर विधानसभा के भैंसोला में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने जन्म दिवस 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। इसलिए आप सभी उनके कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियों में जुट जाएं। पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के आदिवासी अंचल में विकास के नए द्वार खुलेंगे और समृद्धि आएगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 17 सितंबर को धार जिले के बदनावर विधानसभा के ग्राम भैंसोला में पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन करने पधार रहे हैं। पीएम मित्रा पार्क के निर्माण से समूचे मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलने वाली है।

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए धार के निकटवर्ती जिलों में भी बैठकें आयोजित कर योजना बनाई जाए, ताकि इन जिलों से भी अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में उपस्थित हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त कार्यकर्ता हैं, इसलिए कार्य का वितरण इस प्रकार करें कि अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा जा सके। सभी कार्यकर्ताओं के पास कोई न कोई जिम्मेदारी अवश्य हो, यह सुनिश्चित भी करना है।

सेवा पखवाड़े के साथ करें प्रधानमंत्री जी के स्वागत की तैयारी : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक लोगों के जीवन में बदलाव लाने और गरीब कल्याण पर जोर देते हैं। इसीलिए उनके जन्मदिवस से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। हमारे लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री जी अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। इसलिए आप सभी को सेवा पखवाड़े की गतिविधियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री जी के स्वागत की तैयारियों में जुटना है। महिला सशक्तीकरण और नारी शक्ति की बेहतरी प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महिलाओं पर केंद्रित अनेक योजनाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री जी अपने जन्मदिवस पर 17 सितंबर को भी एक ऐसे ही अभियान 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' का शुभारंभ कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी आदिवासी क्षेत्र को बड़ी सौगात देंगे : हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन में एमपी है और मध्यप्रदेश के मन में प्रधानमंत्री जी बसे हुए हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी जब भी मध्यप्रदेश आते हैं सौगात देकर जाते हैं। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अपने जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचल को पीएम मित्रा पार्क के रूप में बडी सौगात देने आ रहे हैं। पीएम मित्रा पार्क मध्यप्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर समूचे प्रदेश में उद्योगों का जाल बिछाने का प्रयास कर रही है। देश के साथ विश्व के कई देशों की बड़ी कंपनियां मध्यप्रदेश में निवेश करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए बहुत गौरव और हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री जी अपने जन्मदिन पर मध्यप्रदेश पधार रहे हैं, ऐसे में हम सभी कार्यकर्ताओं को पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री जी का ऐतिहासिक स्वागत करने के लिए जुटना है।

एक साथ चुनाव में धन, परिश्रम, पर्यावरण और समय की बचत: केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज

सतना में आयोजित 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कार्यक्रम में सहभागिता कर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया

नई दिल्ली/सतना। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरूवार को सतना प्रवास पर थे। शिवराज सिंह ने मैहर शारदा मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और देश व प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सतना के एक्सिलेंस कॉलेज में आयोजित एक राष्ट्र, एक चुनाव कार्यक्रम में सहभागिता कर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि, हमारे देश में कुछ हो या ना हो लेकिन पांचों साल, 12 महीने, 365 दिन चुनाव की तैयारी जरूर चलती है और ये बार-बार होने वाले चुनाव देश के विकास में बाधा है। इसलिए संविधान में संशोधन करके लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने चाहिए। वहीं केन्द्रीय मंत्री ने छात्र-छात्राओं को स्वदेशी अपनाने और वन नेशन वन इलेक्शन का संकल्प भी दिलाया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, मंत्री हो या सरकारी कर्मचारी इन सभी को जनता का काम करना चाहिए या चुनाव प्रचार में जाना चाहिए..? बार-बार चुनाव से जनता के काम बंद हो जाते हैं और चुनाव की तैयारियां शुरू हो जाती है। इन चुनावों में भारी-भरकम धन भी खर्च होता है। अगर हम पिथले 5 साल के ही चुनाव देखें तो चुनाव में 4.5 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। ये पैसा किसी भी राजनैतिक दल का नहीं, बल्कि जनता का पैसा है, यह हमारा पैसा है जो किसी अच्छे काम में लग सकता था। ये तो केवल चुनाव आयोग के माध्यम से सरकारी खजाने का पैसा है, इसके अलावा राजनैतिक दल भी खर्च करते हैं। उम्मीदवार भी खर्च करता है। चुनाव प्रचार में गाड़ियां लगती है, पेट्रोल, डीज़ल जलता है। गाड़ियों के धुएं से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है और ध्वनी प्रदूषण भी होता है। चुनाव आते हैं तो अर्धसैनिक बलों की ड्यूटी लग जाती है, पुलिस की ड्यूटी लग जाती है और केवल अपने ही प्रदेश में नहीं बल्कि दूसरे राज्यों में भी पुलिस और अर्धसैनिक बल लगाए जाते हैं।

दिल्ली से काठमांडू जा रही फ्लाइट की टेल में आग

आग के बारे में दूसरे प्लेन के पायलट ने बताया, 100 यात्री सवार थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से काठमांडू जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट एसजी 041 की टेल (पिछले हिस्से) में गुरुवार को आग लग गई। इसके बारे में एक दूसरे विमान के पायलट से पता चला। यह घटना तब हुई जब विमान रनवे पर उड़ान भरने के लिए खड़ा था।

काठमांडू जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। प्लेन को सुबह 8 :10 बजे

दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरनी थी। काठमांडू पहुंचने का समय 9 :55 का था, लेकिन पिछले हिस्से की पाइप में आग लगने की वजह से प्लेन ने दोपहर 3 बजे उड़ान भरी।

एयरलाइंस के मुताबिक, आग की खबर मिलते ही सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारा गया।

नेपाल में अंतरिम पीएम के लिए जेन-जेड और प्रदर्शनकारियों में झड़प

- एक गुट बोला- सुशीला कार्की भारत समर्थक, हमें मंजूर नहीं, बालेन शाह का समर्थन किया

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के काठमांडू में तख्तापलट के दो दिन बाद गुरुवार को जेन-जेड नेता सामने आए। अनिल बनिया और दिवाकर दंगल ने कहा, युवाओं का यह विरोध-प्रदर्शन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया है। हमारा मकसद संविधान नहीं, संसद भंग करना है।

नेपाल में अंतरिम पीएम के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। गुरुवार को इसे लेकर जेन-जेड दो ग्रुप में बंट गया। इसके बाद सेना मुख्यालय के बाहर दोनों गुटों में हाथापाई हो गई। इसमें कई युवक घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने अंतरिम पीएम के लिए सुशीला कार्की के नाम को खारिज कर दिया है। गुट का आरोप है कि सुशीला कार्की भारत समर्थक हैं और उन्हें यह स्वीकार नहीं हैं। गुट मांग कर रहा है कि काठमांडू मेयर बालेन शाह पीएम बने।

पीएम मोदी ने लिया आपदा के हालातों का जायजा

उत्तराखंड को दी 1200 करोड़ की मदद

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को देहरादून पहुंचे, यहां उन्होंने आपदा की स्थिति का जायज़ा लिया। प्रधानमंत्री द्वारा उत्तराखंड के लिए 1200 करोड़ की तात्कालिक वित्तीय सहायता की घोषणा की गई। मौसम अनुकूल न होने के कारण प्रधानमंत्री मोदी का आपदा प्रभावित धराली क्षेत्र के हवाई सर्वेक्षण का कार्यक्रम टल गया। प्रधानमंत्री ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट परिसर में ही विभिन्न स्थानों से आए आपदा प्रभावितों से मुलाकात की। इसके बाद वह प्रदेश के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके तहत मृतकों के परिजनों को दो लाख और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

सीआरपीएफ बोली- राहुल गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानते

- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को लेटर लिखा- बिना बताए विदेश जाते हैं; 9 महीने में 6 बार गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया है। सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा है कि राहुल गांधी पिछले 9 महीने में बिना सूचना दिए 6 बार विदेश गए। इस दौरान वे इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया की यात्रा कर चुके हैं। सीआरपीएफ ने राहुल गांधी को भी अलग से पत्र भेजा है। इसमें लिखा गया है कि इस तरह की चूक से उनकी जेड प्लस कैटेगरी सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है और उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

राहुल गांधी बोले- वोट चोरी के विस्फोटक सबूत देंगे

रायबरेली में कहा- हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा

रायबरेली (एजेंसी)। रायबरेली में गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- हम गारंटी करके वोट चोरी के सबूत देने वाले हैं। हम और डायनामिक एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) सबूत देंगे। भाजपा के लोग इरिटेट हो रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि इरिटेट मत होइए। क्योंकि, हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा।

उन्होंने कहा- पूरे देश में वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा चल रहा है। यह आग जैसा फैल रहा है। ये सच्चाई है। वोट चोरी करके सरकारें बन रही हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा के इलेक्शन में वोट चोरी हुई है। हमने कर्नाटक सेंट्रल का ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिया।

ढाई लाख छात्राओं को अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति

भोपाल। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन के जिला संस्थान द्वारा वार्षिक कार्यक्रम सफ़र -शिक्षा से समाज तक में संस्थान द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल जिले के सभी विकासखंडों में फ़ाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे शिक्षकों के पेशेवर विकास संबधी कार्यों पर विस्?तार से चर्चाएं हुई।

विगत अकादमिक वर्ष 2024-25 में निपुण शिक्षण कार्यक्रम के तहत प्राथमिक शिक्षकों के साथ कक्षा शिक्षण, डेमो कक्षाओं एवं शैक्षिक संवाद व माध्यमिक शिक्षकों के साथ किए गए विभिन्न कार्यों को उल्लेखित गया। शाला पूर्व शिक्षा के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ किए जा रहे अकादमिक प्रयासों को भी साझा किया गया। युवाओं के साथ संस्थान के कार्य, जिनमें समाज में सृजनात्मक योगदान, संवैधानिक मूल्यों की समझ तथा परिवेश में सकारात्मक बदलाव लाने पर किए जा रहे प्रयासों को भी प्रस्तुत किया गया। इसमें शामिल आमंत्रित पदाधिकारियों ने केवल उपलब्धियों को जानने के साथ खुली चर्चा में यह भी साझा किया कि इन पहलों से जमीनी स्तर पर किस प्रकार बदलाव आ रहे हैं। आमंत्रित पदाधिकारियों को अवगत कराया गया कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश की 18000 से अधिक छात्राओं को छात्रवृत्ति प्राप्त हुई, जिसमें भोपाल जिले की 295 छात्राएँ शामिल हैं। योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों से स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहीं छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। फाउण?डेशन का अनुमान है कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 2.5 लाख छात्राओं को अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही होगी। यह कार्यक्रम इस साल से देश के 18 राज्यों में शुरू किया जाएगा। अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति को पायलट के तौर पर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड के कुछ चुनिन्दा जिलों में लॉन्च किया गया था।

मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन से उठेगा किसानों का शंखनाद

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस की ऐतिहासिक किसान न्याय यात्रा आज

उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के गृह ज़िले उज्जैन में आज दिनांक 12 सितम्बर 2025 (शुक्रवार) को कांग्रेस पार्टी किसान न्याय यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा भाजपा सरकार की किसान विरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक ऐतिहासिक आंदोलन बनेगी।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी श्री हरीश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह एआईसीसी महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान श्री सचिन पायलट, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, जिला अध्यक्ष और हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे।

कांग्रेस का सीधा हमला भाजपा पर

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोहन यादव अपने ही गृह ज़िले के किसानों की कराह सुनने को तैयार नहीं हैं। उज्जैन का किसान कर्ज़, महंगाई और खाद संकट से जूझ रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार चैन की बंसी बजा रहे हैं।

यह न्याय यात्रा भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, किसानों की उपेक्षा, युवाओं की बेरोजगारी और महिलाओं की असुरक्षा के खिलाफ है। कांग्रेस स्पष्ट करती है कि जब तक प्रदेश की जनता को न्याय नहीं मिलेगा, भाजपा सरकार की कुर्सी पर चैन से बैठने नहीं दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने शाजापुर में खेतों का निरीक्षण किया

किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देगी सरकार : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने जिले में खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के दिये निर्देश

खेतों में जाकर खराब हुई सोयाबीन की फसल का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश सरकार किसानों के साथ है और हम किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को शाजापुर जिले की पोलायकलां तहसील के ग्राम खड़ी में विभिन्न कारणों से खराब हुई सोयाबीन की फसल के अवलोकन के बाद किसानों को यह भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर कलेक्टर सहित प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के निर्देश दिये। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, विधायक श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, श्री अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया एवं डॉ. रवि पाण्डेय भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान चौपाल में कहा कि बारिश कम होने एवं कीट प्रकोप के कारण जहां-जहां भी सोयाबीन की फसल को नुकसान हुआ है, उसका पूरा सर्वे कराया जायेगा, किसानों को नुकसान नहीं होने देंगे। किसानों को अधिकतम लाभ दिया जायेगा। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए केन्द्र एवं राज्य की सरकार लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कलेक्टर शाजापुर को निर्देश दिये कि जिन किसानों को पिछले वर्षों की बीमा राशि प्राप्त नहीं हुई है, उनके प्रकरणों का निराकरण कराएं। आने वाले समय में शाजापुर जिले के किसानों को नर्मदा-पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजना से पानी उपलब्ध कराया जायेगा। इससे गरीब किसानों के जीवन में बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशी गाय पालन को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई कामधेनु योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजना में किसानों से गाय का दूध क्रय किया जायेगा। उन्होंने 25 गाय के पालन पर लगने वाली राशि 40 लाख पर सरकार द्वारा 10 लाख रूपये का अनुदान भी दिया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में गायों के लिए गौशालाएं भी बनाई जायेगी। गौशालाओं को गायों के रखरखाव के लिए 40 रूपये प्रति गाय की दर से अनुदान दिया जायेगा। पांच हजार से अधिक पशु रखकर गौशाला संचालित करने पर भूमि भी उपलब्ध कराई जायेगी। इसी तरह क्षेत्र में विचरण कर रहे वन्यप्राणियों हिरण, नील गाय आदि के समुचित व्यवस्थापन के निर्देश भी वन विभाग को दिये।

शाजापुर में लाएंगे नर्मदा का पानी

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के हित में हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं को सुना। सीएम ने कहा कि नर्मदा का पानी शाजापुर जिले में लाया जाएगा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना से हर गांव में सिंचाई का पानी पहुंचेगा।

उन्होंने कामधेनु योजना के बारे में भी बताया, जिसके तहत 25 गायों को पालने पर 40 लाख की योजना में से रू. 10 लाख की सब्सिडी सरकार देगी। इसके अलावा गोशालाओं को प्रति गाय 40 प्रति दिन की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसानों के आंसू पोंछने आए हैं और खुद भी एक किसान परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल कांग्रेस को किसानों की समस्याओं की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि 17 तारीख को प्रधानमंत्री भी आ रहे हैं, जिससे कपास को बढ़ावा देने के लिए एक नया पीएम मित्रा पार्क बनाया जाएगा, ताकि किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिल सके। उन्होंने रू. 2700 प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं खरीदने का भी वादा किया।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का शुभारंभ आज

लग्ज़री कैंपिंग से हवाई एडवेंचर का मिलेगा रोमांचक अनुभव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 12 सितम्बर को मंदसौर में गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के चौथे संस्करण का शुभारंभ करेंगे। यह रिट्रीट लल्लूजी एंड संस द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से विकसित किया गया है, जो लक्ज़री कैंपिंग, एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक गतिविधियों का अनूठा संगम है।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के दौरान पर्यटक टेंट सिटी में हॉट-एयर बलूनिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्कीइंग, कायाकिंग और मोटर बोटिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। हिंगलाजगढ़ किले की हेरिटेज ट्रेल, गांधीसागर अभयारण्य में वन्यजीव सफारी और ग्रामीण जीवन के अनुभव भी पर्यटकों के आकर्षण का हिस्सा रहेंगे।

इस रिट्रीट में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता पर विशेष ध्यान दिया गया है। लगभग 2,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित बटरफ्लाई गार्डन में 4,000 से अधिक पोषक एवं पराग प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां पहले से ही 40 से अधिक तितली प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं। यह केंद्र शिक्षा एवं इंटरप्रिटेशन स्थल के रूप में पर्यटकों को तितलियों के जीवन चक्र की जानकारी प्रदान करेगा।

इसके अलावा इस सीज़न में रॉक आर्ट इंटरप्रिटेशन ज़ोन, जो चतुर्भुज नाला की प्राचीन शैलचित्र कला से प्रेरित है, तथा बायोडायवर्सिटी वॉक जैसी गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। पर्यटक इस रिट्रीट में गाइडेड बटरफ्लाई गार्डन टूर, नेचर वॉक, बर्ड वॉचिंग, वाटर स्पोर्ट्स (स्पीड बोट, बनाना राइड, जेट स्की, कयाकिंग) और हवाई एडवेंचर (हॉट एयर बैलूनिंग व पैरामोटरिंग) जैसी शानदार गतिविधियों का अनुभव लेकर प्रकृति के और करीब आ सकेंगे।

थिएटर आर्टिस्ट और उर्दू शायर बद्र वास्ती के साथ मारपीट

सिर और आंख पर चोट, भोपाल के हमीदिया अस्पताल में चल रहा इलाज

भोपाल (नप्र)। शहर के जाने-माने शायर, रंगमंच अभिनेता और एंकर बद्र वास्ती के साथ बुधवार देर रात मारपीट की घटना हो गई। जानकारी के मुताबिक यह वारदात रात करीब 11 बजे चिरायु अस्पताल के पास हुई, जब बद्र वास्ती अपनी टू-व्हीलर से घर चौकी इमामबाड़ा की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी एक स्कॉर्पियो से टकरा गई।

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में सवार दो युवकों ने गाड़ी से उतरकर बद्र वास्ती से विवाद किया और फिर उनके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान उनके सिर और आंख के ऊपर गंभीर चोट आई। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि बद्र वास्ती का मेडिकल कराया जा रहा है। उनके बयान दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

कौन हैं बद्र वास्ती- बद्र वास्ती भोपाल की अदबी और सांस्कृतिक दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। वे मकबूल शायर, बेहतरीन प्रोफेशनल एंकर, थिएटर व फिल्म एक्टर होने के साथ-साथ स्क्रिप्ट राइटर और ट्रांसलेटर भी हैं। उनकी शायरी की पहली किताब तो मैं कहां हूं को काफी सराहना मिली। उन्होंने प्रकाश झा की फिल्मों और आश्रम वेब सीरीज में भी अहम किरदार निभाए हैं। भोपाल के बद्र वास्ती की खनकदार आवाज, सटीक लफ्ज और जानदार अदायगी के कारण वे मुशायरों और नशिस्तों की शान माने जाते हैं। शहर में बड़े सांस्कृतिक आयोजनों की एंकरिंग से लेकर थिएटर मंच तक उनकी मौजूदगी हमेशा खास रही है।

पीएम मोदी के बदनावर आगमन की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

पीएम मित्रा पार्क का शिलान्यास सहित अनेक अभियानों का होगा शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बदनावर जिला धार में 17 सितंबर को आगमन के दृष्टिगत मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गुरूवार को मंत्रालय में तैयारियों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पीएम मित्रा पार्क का शिलान्यास, 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ, 'सुमन सखी' चैटबॉट का शुभारंभ, पोषण माह का राष्ट्रीय स्तर पर उद्घाटन और लाभार्थियों को पीएमएमवीवाई की किस्त का हस्तांतरण किया जायेगा। मुख्य सचिव श्री जैन ने संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों के लिए किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा भी की।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ भी करेंगे जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। साथ ही 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान में भागीदारी के प्रतीक स्वरूप महिला लाभार्थियों को पौधों का वितरण के अलावा सिकल सेल स्क्रीनिंग कॉउंसलिंग कार्ड का वितरण करेंगे। कार्यक्रम में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' पर आधारित फिल्म का भी प्रदर्शन होगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, श्री शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री सुखवीर सिंह, श्री गुलशन बामरा, श्री संदीप यादव, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना उपस्थित थे। कमिश्नर इंदौर संभाग डॉ. सुदाम खाड़े एवं कलेक्टर जिला धार वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

भोपाल के होटल में बालाघाट के डॉक्टर ने किया सुसाइड

बाथरूम में चादर के फंदे पर लटका मिला शव

भोपाल (नप्र)। भोपाल के टीटी नगर स्थित होटल क्राउन पैलेस में बालाघाट के एक डॉक्टर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। होटल स्टाफ से इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी की वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

सहन कुमार (36) मूलरूप से कर्नाटक के रहने वाले थे। वह बालाघाट के एक अस्पताल में बतौर गायनोकॉलोजिस्ट काम करते थे। हाल ही में उनका पत्नी से तलाक हुआ है। ऐसे में पुलिस मानकर चल रही है कि पारिवारिक कारणों के चलते डॉक्टर ने जान दी है।

डी सहन कुमार, मृतक

दरवाजा नहीं खोला, अंदर से भी जवाब नहीं

डॉ. सहन कुमार ने होटल के बाथरूम में फांसी का फंदा बनाकर जान दी। फंदा बिस्तर पर रखी लाल रंग की चादर से तैयार किया गया था। गुरुवार दोपहर तक जब सहन कुमार ने गेट नहीं खोला तो होटल कर्मचारी चेक करने पहुंचे। काफी आवाज देने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

दो मोबाइल फोन, इयरफोन समेत बैग जब्त

पुलिस को मौके पर डॉ. सहन कुमार के दो मोबाइल फोन एक स्टूल पर रखे मिले हैं। एक मोबाइल पर इयरफोन कनेक्ट था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि कॉल पर किसी से बात करने के बाद उन्होंने जान दी है। पुलिस को मौके से मृतक के दो मोबाइल फोन और एक बैग सहित इयरफोन मिला है। डॉक्टर के दोनों फोन समेत पूरा सामान पुलिस ने जब्त कर लिया है। कमरे की तलाशी में फिलहाल पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उनका हाल ही में तलाक हुआ था, इस बात की जानकारी पुलिस को उनके एक दोस्त ने दी है।

सोम डिस्टलरी के 5 ठिकानों पर सेंट्रल एक्साइज की छापेमारी

लाइसेंस में हेराफेरी कर टैक्स चोरी का आरोप कंपनी ने 14 करोड़ रुपए किए सरेंडर

भोपाल (नप्र)। भोपाल और रायसेन जिले में सोम डिस्टलरी के 5 ठिकानों पर सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट की टीम ने छापे की कार्रवाई की है। इसके बाद कंपनी के मालिकों ने 14 करोड़ रुपए सरेंडर कर दिए हैं।

वहीं हेराफेरी से टैक्स चोरी का एसेसमेंट अभी जारी है। टैक्स चोरी का यह आंकड़ा 50 करोड़ के आस-पास पहुंच सकता है। सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट की टीम बुधवार को छापे की कार्रवाई की थी, जो गुरुवार को भी जारी है।

हेराफेरी कर टैक्स चोरी करने का आरोप- सोम डिस्टलरी की रायसेन जिले के सेहतगंज और गोचरा चक में संचालित यूनिट और भोपाल के एमपी नगर स्थित सोम डिस्टलरी के दफ्तर में छापे की कार्रवाई जारी है। आरोप है कि सोम ग्रुप के संचालकों ने लिकर की बॉटल्स के इम्पोर्ट के लाइसेंस में हेराफेरी कर टैक्स चोरी की है। यह एडवांस अथोराइजेशन में बॉटल्स मंगाते थे। जांच में पाया गया है कि इन्होंने इम्पोर्ट में बॉटल्स का स्टॉक कम दिखाया। साथ ही एक्सपोर्ट एप्लिकेशन भी कम्पलीट नहीं पाए गए हैं। भोपाल के एमपी नगर स्थित सोम डिस्टलरी के दफ्तर में छापे की कार्रवाई जारी थी।

कंपनी ने 14 करोड़ रुपए जमा कराए- विभाग की कार्रवाई में शुरुआती टैक्स चोरी के खुलासे के बाद सोम ग्रुप के संचालकों ने 14 करोड़ रुपए जमा कर दिए हैं और अभी छापे में जुटी टीम का एसेसमेंट जारी है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा 50 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। सेंट्रल एक्साइज की टीम की यह कार्रवाई गुरुवार देर रात तक चलते रहने की संभावना है। गौरतलब है कि इसके पहले इस ग्रुप पर आयकर विभाग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और अन्य एजेंसियों ने भी छापेमारी कर करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी का खुलासा किया है।

कर्मचारियों ने किया कार्रवाई का विरोध- बताया जा रहा है कि सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट की टीम की इस कार्रवाई का कंपनी की सेहतगंज यूनिट और भोपाल दफ्तर में कर्मचारियों ने विरोध किया है। इधर, मीडिया से चर्चा में सोम ग्रुप के मैनेजर ने कहा कि जो भी कार्रवाई चल रही है, वह छापा नहीं है। मैनेजर ने इसे रूटीन कार्रवाई बताया, लेकिन किस मामले में कार्रवाई की जा रही है, इसके बारे में कुछ नहीं बताया। एमपी नगर स्थित दफ्तर के बाहर ग्रुप के गार्ड्स ने इस दौरान मीडिया को रोकने की कोशिश भी की।

फूल व्यापारी के घर 10 लाख की चोरी

दिन दहाड़े वारदात को अंजाम दिया गया, मार्केट गया था परिवार

भोपाल (नप्र)। बजरिया इलाके में दिनदहाड़े फूल व्यापारी के घर से दस लाख रुपए की नकदी और जेवरात चोरी करने का मामला सामने आया है। वारदात बुधवार दोपहर की है। लेकिन एफआईआर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात दर्ज की गई है। गुरुवार की सुबह एफएसएल की टीम से पुलिस ने स्पॉट का निरीक्षण कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि करारिया फार्म में रहने वाले नंद किशोर माली फूल के व्यापारी हैं। बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे उनका परिवार मार्केट गया था। इसी बीच बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे नकदी चार लाख रुपए और सोने के जेवरात समेत करीब दस लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया।

घर पहुंचे तब वारदात का खुलासा हुआ

फरियादी जब अपने घर पहुंचे तब उन्होंने मेन गेट सहित अंदर से दो कमरों के ताले टूटे मिले। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग हाथ नहीं लग सका।अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जिससे आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जा सके।

बुजुर्ग ने झुंझलाहट में इलेक्ट्रिक बोर्ड में मारा डंडा, लगीआग

भोपाल कमिश्नर ऑफिस में हुई घटना, अफसर ने चैंबर में बैठाकर सुनी फरियाद

भोपाल (नप्र)। भोपाल कमिश्नर ऑफिस में गुरुवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कर्मचारी हाथों में पानी की बाल्टियां लेकर दौड़े और आग बुझाई। आगजनी के दौरान कमिश्नर संजीव सिंह भी ऑफिस में मौजूद थे। आग लगने से ऑफिस की बिजली करीब डेढ़ घंटे गुल रही। कोहेफिजा पुलिस बुजुर्ग को साथ ले गई है, उनसे पूछताछ की जा रही है।

घटना दोपहर 1 बजे की बताई जा रही है। एक बुजुर्ग जमीन से जुड़े एक मामले की फरियाद लेकर कमिश्नर ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान उनकी बात को किसी ने नहीं सुना तो झुंझलाहट में आकर उन्होंने हाथ में रखा लट्ठ (डंडा) इलेक्ट्रिक बोर्ड में दे मारा। जिससे बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट हो गया और चिंगारी निकलने लगीं। इससे आगंतुकों के बैठने के लिए लगे सोफे ने आग पकड़ लगी। कुछ ही देर में सोफे जलकर खाक गए।

पहले जाने की जिद कर रहा था बुजुर्ग

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को विदिशा जिले के गंजबासौदा से एक बुजुर्ग कमिश्नर संजीव सिंह से मिलने ऑफिस में आए थे। उनका तीसरा नंबर था। इसी दौरान बुजुर्ग पहले जाने की जिद करने लगे, लेकिन एक और दो नंबर वाले आवेदक पहले से खड़े थे। इसलिए बुजुर्ग को पहले मिलने नहीं दिया गया तो उन्होंने गुस्से में बिजली के बॉक्स में डंडा मारा। इसके बाद अफसर ने चैंबर में बैठकर फरियाद सुनी। बुजुर्ग मानसिक बीमार भी बताया जा रहा है।

ऑफिस हो गए खाली

इधर, आग लगने के बाद कमिश्नर ऑफिस खाली हो गया और अधिकारी-कर्मचारी बाहर निकल गए। इसी बिल्डिंग में कमिश्नर, जनसंपर्क का संभागीय और जिला स्तरीय ऑफिस, कृषि विभाग का संभाग ऑफिस, हुजूर एसीएम और तहसील ऑफिस भी हैं। इस कारण ऑफिस से कर्मचारी बाहर आ गए। आग बुझने के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

हड़कंप मचा, कर्मचारियों ने खुद बुझाई आग

शॉर्ट सर्किट से लगी आग को बुझाने के लिए कर्मचारी दौड़ पड़े। पास में ही पानी से भरी बाल्टियां लेकर वे दौड़े और आग को बुझाने लगे। इधर, नगर निगम की दमकल भी मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पा लिया गया।

विदिशा एसडीएम से पूछ रहे समस्या क्या है

हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि सुनवाई न करने जैसी बात नहीं है। बुजुर्ग का तीसरा नंबर था, एक आवेदक कमिश्नर के चैंबर में था, जबकि दूसरा जाने वाला था। तभी बुजुर्ग नाराज हो गए। इस संबंध में विदिशा एसडीएम से संपर्क कर रहे हैं कि बुजुर्ग की समस्या क्या है और उन्हें यहां तक क्यों आना पड़ा।

संपादकीय

मोहन सरकार का सही फैसला

मध्य प्रदेश के डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा राज्य नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्षों का प्रत्यक्ष प्रणाली से निर्वाचन का फैसला राजनीतिक दृष्टि अहम और दूरगामी है। हालांकि यह फैसला नया न होकर पुरानी व्यवस्था को फिर से लागू करने का है। सरकार की ताजा कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसले के मुताबिक तहत अब नगर पालिका और नगर परिषदों के अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा। यह व्यवस्था वर्ष 2027 के आम चुनाव से लागू होगी। एमपी में 2018 तक अध्यक्षों का चुनाव जनता सीधे तौर पर ही करती रही। लेकिन 2019 में कमलनाथ सरकार ने यह व्यवस्था बदली और अध्यक्षों के चुनाव की जिम्मेदारी पार्षदों को सौंप दी। यानी पार्षद तय करते थे कि नगरीय निकायों का अध्यक्ष होगा। इसके पीछे तर्क दिया गया कि इससे सामूहिक नेतृत्व को बढ़ावा मिलेगा। उधर कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार के पास खरीद-फरोख्त के लिए पैसा ही नहीं बचा है। इसलिए डायरेक्ट चुनाव की प्रक्रिया लागू कर दी है। लेकिन सिंघार इस बात को भूल रहे हैं कि मप्र में नगरीय निकायों में अध्यक्ष के सीधे निर्वाचन की व्यवस्था कांग्रेस के ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के कार्यकाल में हुई थी और उन्हीं के समय नगरीय निकायों के तीन चुनाव इसी प्रणाली से हुए थे। लेकिन बाद में कमलनाथ ने अगर इस व्यवस्था को बदला तो इसके पीछे असल कारण नगरीय निकायों को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाने की जगह उस राजनीतिक आत्मविश्वास की कमी थी, जिसके दम पर कोई राजनीतिक पार्टी अपने प्रत्याशियों को जिता लाती है। कमलनाथ सरकार बहुत किनारे के बहुमत पर टिकी थी। और सवा साल बाद गिर भी गई। संविधान में नगरीय निकायों को संवैधानिक दर्जा देने वाले 74वें संशोधन से पहले नगरीय निकायों के चुनाव राज्य सरकारों की मर्जी और राजनीतिक सुविधा से तय होते थे। लेकिन संशोधन के बाद इन निकायों के चुनाव नियमित कराना अनिवार्य हो गया। तब मप्र ने अध्यक्षों के सीधे निर्वाचन की प्रणाली अपनाई। लेकिन बाद में कमलनाथ सरकार ने उसे बदल दिया। कहा गया कि इससे लोकतंत्र मजबूत होगा और पार्षदों का महत्व बढ़ेगा। लेकिन हकीकत में इस व्यवस्था ने प्रदेश के नगरीय निकायों में राजनीतिक जोड़-तोड़ और अस्थिरता की को बढ़ावा दिया। अध्यक्ष महापौर पार्षदों के दबाव में काम करने लगे थे। लिहाजा नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को बार-बार अविश्वास प्रस्तावों से बचाने के लिए सरकार को अध्यादेश लाना पड़ता था। इस पर विराम लगाने की दृष्टि से ही सरकार ने नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2025 को मंजूरी दी है। इसके तहत मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 19, 20(2), 32 से 35, 43, 45, 47, 55, 63 और 328 सहित कई धाराओं में संशोधन किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस बदलाव से पारदर्शिता बढ़ेगी और अविश्वास प्रस्तावों के कारण बार-बार पैदा होने वाली अस्थिरता समाप्त होगी। नई व्यवस्था में अध्यक्ष को हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाना हो तो दो तिहाई पार्षदों समर्थन जरूरी होगा और उसके बाद जनता खाली और भरी कुर्सी के लिए मतदान करेगी। उसके बाद ही फैसला होगा। उल्लेखनीय है कि शहरी निकाय लोकतंत्र की तीसरी सीढ़ी हैं। संसद और विधानसभा जहां नीतियां बनाते हैं, वहीं नगर निगम और नगर पालिका जैसी संस्थाएं लोगों के उनके दैनिक जीवन से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। इनमें सड़क, सफाई, पानी, रोशनी और शहरी विकास जैसी सुविधाएं शामिल हैं। निकाय चुनावों के माध्यम से जनता को यह अधिकार मिलता है कि वे अपने नजदीकी प्रतिनिधियों को चुनें और सीधे उनसे सवाल पूछने का अधिकार रखें। इसीलिए इन चुनावों को लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने वाला अहम चुनाव माना जाता है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

सुलगते नेपाल की यह दुर्दशा

नेपाल की सत्ताधारी पार्टी यह कभी सोची भी नहीं होगी कि उसके साथ ऐसी ट्रेजडी हो जाएगी। ट्रेजडी की जन्मदात्री भी ओली सरकार ही मानी जा रही है क्योंकि नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भड़के प्रदर्शनों में कम से कम 15 लोगों के मारे जाने और 100 से अधिक के घायल होने की ख़बर नेपाली छात्रों के मन में आक्रोश से भर दिया। दूसरी बात, देश में भ्रष्टाचार के प्रति चिन्ताओं, असमानताओं और जवाबदेही की कमी पर भी युवाओं का गुस्सा फूटा है। फिलहाल, नेपाल के प्रधान मंत्री ओली हेलीकॉप्टर से भाग गए हैं और देश के वित्त मंत्री व दूसरे मंत्रियों की जो भद्दी सी कैमरे आई है वह यह बताती है कि यदि सत्ताभोगी लोग जनता को भूल जाएंगे तो जनता उनके साथ किसी ही स्तर पर आ सकती है।

नेपाल की कथा-व्यथा आजकल सुर्ख़ियों में है। यह एक छोटा सा देश है जहाँ पर हिंसा, आगजनी, क्रूरता और जान से खेलने की तस्वीरें पूरी दुनिया को हिला दी है। यह सब तब हो रहा है जब संयुक्त राष्ट्र अपनी स्थापना का 80वां वर्ष मना रहा है। देश में छात्रों ने क्रांतिकारी फैसला अपने हाथ में ले लिया है। स्थितियां बद से बदतर हो चुकी हैं। नेपाल की सत्ताधारी पार्टी यह कभी सोची भी नहीं होगी कि उसके साथ ऐसी ट्रेजडी हो जाएगी। ट्रेजडी की जन्मदात्री भी ओली सरकार ही मानी जा रही है क्योंकि नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भड़के प्रदर्शनों में कम से कम 15 लोगों के मारे जाने और 100 से अधिक के घायल होने की ख़बर नेपाली छात्रों के मन में आक्रोश से भर दिया। दूसरी बात, देश में भ्रष्टाचार के प्रति चिन्ताओं, असमानताओं और जवाबदेही की कमी पर भी युवाओं का गुस्सा फूटा है। फिलहाल, नेपाल के प्रधानमंत्री ओली हेलीकॉप्टर से भाग गए हैं और देश के वित्त मंत्री व दूसरे मंत्रियों की जो भद्दी सी कैमरे आई है वह यह बताती है कि यदि सत्ताभोगी लोग जनता को भूल जाएंगे तो जनता उनके साथ किसी ही स्तर पर आ सकती है।

नेपाल में जारशाही, राजशाही और लोकशाही का इतिहास बहुत ही रोमांचक है। लोकशाही भाल होने के बाद ऐसा लगा था कि नेपाल देश अपनी नई शुरुआत करेगा और देश में लोकतंत्र दुनिया के लिए मिसाल बनेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नेपाल समय-समय पर सुलगता रहा और नेपाली जनता इसे अंततः सह न सकी। आक्रोश की स्थिति बहुत ही हिला देने वाली है क्योंकि यह देखा जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को आन्दोलनकारियों द्वारा जिंदा जला दिया गया है। देश के संसद भवन, प्रधान मंत्री कार्यालय और दूसरे सामरिक महत्व की बिल्डिंग्स को आग लगा दिया गया और वे धू-धूकर जल रही हैं।

नेपाली जनता का यह कहना है कि हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ है। नेपाल में भ्रष्टाचार के विरोध में युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों में मृतक बढ़ती जा रही है। तेज़ी से बदले घटनाक्रम में प्रधान मंत्री के पी शर्मा ओली और अन्य मंत्रियों को इस्तीफ़ा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। गहरी राजनैतिक अनिश्चितता की मिसाल अब नेपाल है। ऐसा माना जा रहा है कि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया मंचों पर थोपी गई पाबन्दी के विरोध में युवा आबादी का गुस्सा फूट पड़ा। सुरक्षा बलों की गोलीबारी में जानें गई हैं। राजधानी काठमाँडू में संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट समेत अन्य सरकारी इमारतों पर धावा बोला और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया और अन्य शहरों में भी सरकारी कार्यालयों को निशाना बनाया गया। यह बहुत ही भयानक है। यह बहुत ही हृदयविदारक है जो नेपाल में हो रहा है। लेकिन आक्रोशित युवा अंदर से इतने गुस्सा में हैं कि वे इसे किसी भी प्रकार से गलत नहीं मान रहे हैं और अपने आन्दोलन को वे फैलाते जा रहे हैं।

भारत के पड़ोसी देशों के साथ यह हो हुआ है वह

अप्रत्याशित, अकल्पनीय और आश्चर्यजनक लग सकता है लेकिन सबके केंद्र में जो विमर्श का हिस्सा है वह है भ्रष्टाचार। लोकतांत्रिक प्रणाली में भ्रष्टाचार से लड़ते आंदोलनकारियों को गुस्सा आखिर आए भी क्यों नहीं? बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ जो हुआ वह भी अप्रत्याशित नहीं था। श्रीलंका में बढ़ती महंगाई के खिलाफ जो हुआ उसे भी दुनिया ने देख लिया है। यह सब घटनाएँ इसलिए घटित होती रही हैं क्योंकि कहीं न कहीं इनके पीछे भ्रष्टाचार था और जनमानस को उनके जीवन जीने में बाधाएं अपना पांव पसारे जा रही थीं। अब सुलगते नेपाल की जो हालत बनी है वह भी भ्रष्टाचार के कारण बनी है।

सुलगते नेपाल की यह दशा संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन से कुछ दिन पूर्व शुरू हुई है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्तेफ़ान दुजैरिक ने अपील की कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। जानमाल के नुक़सान से बहुत दुखी हैं। उन्होंने आगे स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए संयम बरतने का आहवान दोहराया है। नेपाल से सामने आ रही नाटकीय तस्वीरों का हवाला देते हुए प्रवक्ता बोल पड़े कि अधिकारियों को अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार क़ानून का पालन करना चाहिए और विरोध प्रदर्शन शान्तिपूर्ण तरीक़े से होने चाहिए, जिनमें जान-माल का सम्मान हो। उनकी अपील तो ठीक है लेकिन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी नेपाल की लोकतांत्रिक प्रणाली को यदि जनता सहती रही तो भी तो उस देश को लाभ होने वाला नहीं है। यह बात ठीक है कि हिंसा नहीं होनी चाहिए। यह बात ठीक है कि यह सब देखकर दुखी हो रही है दुनिया और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव भी लेकिन इसका शांति पूर्वक कोई हल भी तो सत्ताजीवी सभ्यताएं दे नहीं पाती हैं।

इस विपरीत परिस्थिति में नेपाल में जारी मौजूदा घटनाक्रमों के मद्देनज़र सभी भारतीय नागरिकों से अपील की गयी कि वे नेपाल की यात्रा तब तक के लिए स्थगित कर दें। वहां की स्थितियां सामान्य होने दें। नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिक अपने मौजूदा निवास स्थलों पर ही रहें। भारत सरकार पूरी तरह नेपाल की मौजूदा स्थितियों पर नज़र बनाए हुए है। कूटनीतिक तौर पर अपने पड़ोसी देश नेपाल के साथ भारत की मैत्री पूरी दुनिया जानती है। नेपाल देश की हिंदू सांस्कृतिक विरासत पर भारत गर्व करता है और उसे अपना ही मानता है। लेकिन इस विपरीत परिस्थिति से ज्यादा सीखने की आवश्यकता भारत को है क्योंकि ये घटनाएं बताती हैं कि आक्रोश के अपने हाथ पैर नहीं होते इसे भड़काने वाली अदृश्य शक्तियां राष्ट्रों की कमजोरियों को हमेशा टटोलती हैं और अवसर मिलते ही आक्रोश अपना आकार ले लेते हैं।

नेपाल के आम आदमी, काठमांडू व नेपाल के आमजन और सत्ताजीवी लोगों की कोई तुलना नहीं है। सत्ताजीवी तो हमेशा लूटपाट करके अपने महलों से गरीबी पर हँसते हैं लेकिन आम आदमी जो अपने जीवन जीने की जंग में शामिल था, उसे भी ऐसे आंदोलनों में बहुत कुछ खोना पड़ा है। ऐसे में उसके मानव अधिकारों का हनन हर दशा में होता है। सुलगते नेपाल में नेपाली सभ्यता से जो बदलाव की खोज हो रही है, वह पता न होगी कि नहीं लेकिन इस आगजनी, बर्बरता व क्रूरता की बलि जो आम आदमी चढ़ेगा, उसे तो कुछ भी मिलने वाला नहीं है। इस बीच कैदियों की बल्ले-बल्ले हो गयी है। कैदी जेलों से फरार हो गए हैं। कुछ पकडे गए हैं लेकिन जो अभियुक्त फरार हो जाएंगे वे फिर कहीं न कहीं अपराध करेंगे और नेपाल को इससे भी निपटने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। सब मिलाकर यह समय नेपाल के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण हो गया है और जो हानि हुई है उसकी भरपाई भी बहुत लम्बे समय बाद हो पाएगी। विश्व का कोई भी देश इस कष्ट व हानि को भर न सकेगा। नई सत्ता आने तक नेपाल में अनिश्चितता व असमंजस की स्थिति में नेपाली समाज को बड़े साहस के साथ इस परिस्थिति से निपटना होगा क्योंकि नेपाल की नियति में ही एक लोकतांत्रिक आबो-हवा पर यह बड़ा सा ग्रहण है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टुर्क ने संघर्ष से निकलकर एक शान्तिपूर्ण लोकतंत्र बनने की व सभी नेपाली हितधारकों से इस राह पर आगे बढ़ने का रास्ता खोजने की अपील की और कहा कि हिंसा कोई समाधान नहीं है लेकिन इस बात को समझने को तैयार कौन है, प्रश्न यह ज्यों का त्यों अनुत्तरित है। आने वाला समय नेपाल का लोकतंत्र किस करवट अपना रुख स्थापित करेगा, यह आज कोई नहीं जानता।

समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक शोधार्थी हैं।

तरक्की के शहर, अकेलेपन के घर

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं।

शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है।

शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है।

साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीर्घाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटर—ये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज़ उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं।

लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और 'अन्य' के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है।

शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है।

तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को 'भीड़ में अकेलेपन' का प्रतीक कहा था।

साथ ही, शहरी जीवन की भीड़-भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं।

इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है। एक ओर इसने शिक्षा, स्वास्थ्य, विविधता और सांस्कृतिक उन्नति के अवसर दिए, तो दूसरी ओर इसने रिश्तों को सतही, अस्थिर और अविश्वासी बना दिया। आर्थिक विकास की गति में हमने भावनात्मक और सामुदायिक जीवन को पीछे छोड़ दिया।

आवश्यक है कि शहरी नियोजन केवल भौतिक ढाँचे तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें मानवीय संबंधों की गरिमा और सामुदायिक जीवन की बहाली को भी स्थान मिले। हमें ऐसे सार्वजनिक स्थल चाहिए जहाँ लोग सहजता से मिल सकें और संवाद कर सकें। आवासीय कल्याण समितियों को केवल प्रशासनिक इकाई न मानकर सामाजिक मेलजोल और सामुदायिक उत्सवों का मंच बनाया जाए। शहरों में त्योहारों, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोग एक-दूसरे के करीब आ सकें। साथ ही, सस्ते और समावेशी आवास की नीतियाँ तैयार हों, जिससे वर्ग आधारित विभाजन कम हो सके।

भारत का भविष्य निस्संदेह शहरी होगा, परंतु यह भविष्य तभी स्थायी और समृद्ध हो सकता है जब शहरीकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक पूँजी का भी संवाहक बने। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में रिश्तों का ताना-बाना न टूटे। शहर तभी सच्चे अर्थों में प्रगतिशील बनेंगे जब वे न केवल समृद्धि और अवसर देंगे, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामूहिक कल्याण की भावना को भी जीवित रखेंगे।

नेपाल : कौन है बालेन्द्र शाह?

सामयिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नेपाल में जेनरेशन ज़ेड के हिंसक आंदोलन ने ओली सरकार का तख्तापलट दिया है और देश की सियासी फिज़ा बदल दी है। इस बीच एक चेहरा तेजी से परिदृश्य में उभरा है। यह चेहरा है, बालेंद्र शाह या बालेन शाह, जिन्हें बोलचाल में बालेन कहकर भी पुकारा जाता है।

बालेन की उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई- पैंतीस वर्ष। उनका जन्म 27 अप्रैल, 1990 को हुआ। वह फिलवक्त राजधानी काठमांडू के महापौर हैं। सामान्यतः मेयर नगर निगमों के कामकाज में उलझे रहते हैं, लेकिन बालेन का पिंड अलग है। उन्होंने अपनी आक्रामक और तुर्श राजनीति से सारे देश का ध्यान आकृष्ट किया है और आंदोलन की धुरी बनकर उभरे हैं। सोशल मीडिया पर वह खासे लोकप्रिय हैं। उनके लाखों फालोअर्स हैं। नेपाली युवाओं के वह आईकॉन या रोल मॉडल हैं। यह अकारण नहीं है कि सन् 2023 में 'टाइम' ने उन्हें विश्व के 100 शीर्ष व्यक्तित्वों में शामिल किया। वह नेपाली रैपर, संगीतकार, इंजीनियर और राजनीतिज्ञ हैं। काठमांडू के महापौर चुने गये वह पहले निर्दलीय प्रत्याशी हैं और मुद्दों पर किसी भी अथार्टी से भिड़ने के मामले में उनका कोई सानी नहीं है।

बालेन शाह काठमांडू के 15वें मेयर हैं। वह सन 2022 में ग्रीष्म में पांच वर्षों के लिए मेयर चुने गये थे। उन्होंने 10+2 की पढ़ाई बीएस निकेतन हायर सेकेंड्री स्कूल से की। हिमालयन व्हाइट हाउस इंटरनेशनल कालेज से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री के बाद उन्होंने भारत में कर्नाटक में स्थित विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से एमटेक किया। उनके पिता आयुर्वेद चिकित्सक थे, लेकिन बालेन का मन संगीत में रमा। इसमें उन्हें खासी कामयाबी मिली। वह काठमांडू के रैप मुकाबलों में सक्रिय रहे। अपने गीतों और अदाओं से वह युवा वर्ग में लोकप्रिय सितारा बनकर उभरे। यह लोकप्रियता उनका जंपिंग बोर्ड साबित हुई और अराजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद वह बत्तीस की उम्र में काठमांडू के मेयर चुन लिए गये। दिलचस्प बात है कि वह संगीत की दुनिया में अभी भी सक्रिय हैं। मेयर चुने जाने तक वह नेपाली हिपहॉप उद्योग में एक दहाई बिता चुके थे। नेवार के मधेशी बौद्ध परिवार में जनमे बालेन की पत्नी सबीना काफले सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी हैं।

बालेन के सुर्खियों में उभरने का क्रम उनके मेयर बनने के बाद शुरू हुआ। उन्होंने नागरिक सुविधाओं, कचरा निपटान और अतिक्रमण ध्वंस पर ध्यान केंद्रित किया। उनके एजेंडे में भ्रष्टाचार और अनियतिताओं का विरोध, बौद्ध स्थलों का विकास और बेहतर परिवहन तो शामिल है ही, वह वृहत्तर नेपाल के भी समर्थक हैं। वाम विचारों के बालेन के सन 2023 में अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा टांगने पर व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी। बेजा कब्जा हटाने के फेर में वह निजी व्यापारियों, उड्डयन अभिकरण और पुलिस प्रशासन से टकरा चुके हैं और अदालती झमेलों में भी उलझे, लेकिन उन्होंने घुटने नहीं टेके और फैसलों पर अडिग रहे। इससे उन्होंने लोकप्रियता बटोरी। उन्होंने अवैध निर्माणों को तो तोड़ा ही, पुलिस के अवैध सब-स्टेशनों को भी नहीं बख्शा। वह भारत के प्रति तल्ख हैं और पूर्वोत्तर भारत के भूभाग वापस नेपाल में चाहते हैं। एक दफा उन्होंने राजधानी की सीमा में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था और फिल्म आदिपुरू में 'सीता भारत की बेटी है' लाइन हटाने की मांग की। इस पर उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई और पाटन हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ अंतरिम आदेश जारी किया। अदालती आदेश की अवहेलना में बालेन ने उसके पालन से इंकार किया। अंततः सुप्रीम कोर्ट के दखल पर उन्होंने नरमी बरती, लेकिन अदालत और संघीय सरकार पर भारत के प्रभाव में होने का आरोप चस्पां किया। खबर है कि बालेन ने अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर सुशीला कार्की का समर्थन किया है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

खाली डब्बे खाली बोतल

बूढ़ो के मामले में आजकल बड़ी गफलत चल रही है। वाट्सएप पर हर बूढ़े को कहा जा रहा है कि तुम अपने आप को जवान समझो। दोस्त बनाओ, मॉर्निंग वाक पर जाओ, जो मन में आए देखो, हँसो बोलो गुनगुनाओ। उम्र कुछ नहीं बस एक नंबर है। बाल झर रहे हैं! कोई बात नहीं, अब तो जवानों के भी झरते हैं। चश्मा बच्चों तक को लगता है। दाँत तो होठों के परदे में हैं, किसको पता दन्तक हैं या सगे वाले। बाल रंग लो तो मन भी अंदर से रंगीन हो जाता है और किसीको पता भी नहीं चलता है। होना उतना जरूरी नहीं है जितना कि समाज द्वारा मान लिया जाना। कितने ही लोग हैं जिन्हें जमाना करोड़पति मानता है लेकिन गले तक कर्ज में डूबे हुए हैं बेचारे। ज्ञानी कहते हैं इस धरती पर हम एक किरदार हैं, जो रोल हमें मिला है वो निभा रहे हैं। तो अंदर से आप कुछ भी हो, किरदार में अपने को जट्ट-जवान समझो। सिर्फ समझना ही तो है, कुछ करना थोड़ी है। पार्क में देखो कितने पिचहत्तर-पारी हैं जो मजे में पचासा जी रहे हैं। आसपास की स्त्रियों से सीखो। किसी को आंटी बोल दो फिर देखो कैसे तबियत से एक पत्थर उठाके आसमान में छेद कर देती हैं दन्न से ! मानती है दुनिया, मनाने वाला चाहिए।

लोग चमत्कार को नमस्कार करते हैं। और आज के समय में मेकअप से बड़ा चमत्कार दूसरा नहीं। सही मायने में मेकअप वाले धरती पर दूसरे भगवान हैं जो घर और संसार को देखने सहने लायक बनाते हैं। तो सारी महिमा मेकअप की है। मेकअप औरतों और बूढ़े आदमियों की जरुरी जरुरत है। मेकअप बढ़िया हो तो रावण भी साधु दिख जाता है। मेकअप वाला आदमी बूढ़ा नहीं दिखता है । आमतौर पर लोग बाल ही देखते हैं। बाल काले कट्ट होना चाहिए, चाहे चेहरा चपटा चूसा आम लगता हो। बाल देखो या दिल देखो, जवानी की रीडिंग इधर ही मिलती है। करवाने वाले चेहरे पर भी काम करवा लेते हैं और 52 साल का आदमी भी 25 का दिख सकता है। ऐसे आदमी ही मानते हैं कि देश में जिधर देखो उधर विकास दिखता है। खुपिया जानकार बताते हैं कि देश भी मेकअप से चल रहा है। पुल अच्छे दिखाना चाहिए, सड़कें लम्बी लम्बी दिखनी चाहिए, आंकड़े अच्छे होना चाहिए, भाषण बढ़िया देना चाहिए। मेकअप का तो सिद्धांत ही है कि अच्छा दिखे बस, हो गया। सूरत अच्छी दिखना चाहिए फिर चाहे कर्ज के कारण चेहरा फुंसियों और पिंपल से भरा हो। आजकल तो लोग तारीफ भी इतनी करने लगते हैं कि अच्छे भले बेशर्म आदमी को भी बगलें झांकना पड़े। इसे लोगों को शाब्दिक या जुबानी मेकअप-मेन कहते हैं। पैसा सरकारी हो तो आप उसे यहां वहां फेंक कर फोकट फंड में अपना मेकअप कर सकते हैं। मेकअप सिर्फ चढ़ाना या थोपना या पोतन ही परेशानी का सबब नहीं है, इनमें उतारने में भी बाई झंझट है। सब जानते हैं कि साब बूढ़े हैं, साब भी जानते हैं कि वे बूढ़े हैं। भगवान तो जानते ही है कि साब बूढ़े हैं। साब की बेगम तो भरी बैठी हैं कि साब ब्लेक-डॉग की खाली बोतल हैं। बाल डाई करा कर भाव बना रहे हैं लेकिन खाली हैं। जींस और टी शर्ट भी अपना काम नहीं कर पा रही है। लेकिन दिल है कि मानता ही नहीं । किसी शायर ने लिखा है - वक्त का काफिला आता है गुजर जाता है ; आदमी अपनी ही मंजिल पर ठहर जाता है ।

अंकुरण

सत्येन्द्र पाण्डेय

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

जमुना बेहरा: व्यक्तित्व के साथ परिवेश को भी बनाया बेहतर

जमुना के पिता भी परिवार की गुजर बसर के लिए मछुआरे का काम करते थे लेकिन जब जमुना महज तीसरी कक्षा में ही थीं तभी उनका निधन हो गया और परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। यह मुश्किल इसलिए भी और अधिक थी कि वे लोग सात भाई बहन थे और सभी बहुत छोटे थे। माँ एक घरेलु महिला थीं और उन्हें बाहर जाकर काम करने की अब तक कोई जरुरत नहीं पड़ी थी तथा आदत भी नहीं थी। जमुना और उनके भाई-बहनों का बचपन इस बात का गवाह रहा है कि किस तरह कठिनाइयों से जूझते हुए और सामाजिक-पारिवारिक दवाबों का सामना करते हुए उनकी माँ अपने बच्चों के पालन पोषण के लिए हाथ-पैर चला रही थी।

भारत के पूर्वी समुद्र तटों में एक बहुत ही खूबसूरत तटीय क्षेत्र है जिसका नाम है छत्रपुर। यह उडीसा राज्य के गंजाम जिले का एक हिस्सा है और जिले का दूसरा बड़ा शहर भी। समद्र तट होने के कारण यहाँ मछुआरा समुदाय की आबादी बड़ी संख्या में हैं जिनकी आजीविका समद्र पर निर्भर है। ऐसे ही एक मछुआरा समुदाय में जमुना बेहरा का जन्म हुआ। जमुना बेहरा जिन्होंने न केवल अपने जीवन में आई मुश्किलों का डटकर सामना किया और उन्हें आसान बनाया बल्कि अपनी खुद की वंचना को समाज के साथ जोड़ते हुए तमाम ऐसे लोगों खासकर महिलाओं और बच्चों की आवाज बनी जो आर्थिक या सामाजिक कारणों से हाशिये पर मौजूद हैं।

जमुना के पिता भी परिवार की गुजर बसर के लिए मछुआरे का काम करते थे लेकिन जब जमुना महज तीसरी कक्षा में ही थीं तभी उनका निधन हो गया और परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। यह मुश्किल इसलिए भी और अधिक थी कि वे लोग सात भाई बहन थे और सभी बहुत छोटे थे। माँ एक घरेलु महिला थीं और उन्हें बाहर जाकर काम करने की अब तक कोई जरुरत नहीं पड़ी थी तथा आदत भी नहीं थी। जमुना और उनके भाई-बहनों का बचपन इस बात का गवाह रहा है कि किस तरह कठिनाइयों से जूझते हुए और सामाजिक-पारिवारिक दवाबों का सामना करते हुए उनकी माँ अपने बच्चों के पालन पोषण के लिए हाथ-पैर चला रही थी।

जमुना हमेशा से पढाई करना चाहती थीं लेकिन परिवार की ऐसी आर्थिक स्थिति उन्हें इसके लिए इजाजत नहीं दे रही थी। उनकी माँ चाहती तो थीं कि बच्चे पढाई-लिखाई करें लेकिन कोई रास्ता सामने दिखाई नहीं देता था। सामने तो बस एक ही सवाल था कि पेट भरने का इंतजाम कैसे करें ताकि बच्चे भूखे न सोयें। आखिरकार इस सवाल को उन्होंने हाल कर लिया और उड़ीसा के महत्वपूर्ण पर्यटक तथा धार्मिक स्थल पुरी के समद्र तट पर चाय की एक छोटी सी दुकान खोल ली। इससे थोड़ी बहुत आमदनी होने लगी और घर में खाने का संकट तो काफी हद तक दूर हो गया लेकिन पढ़ाई-लिखाई तो अभी भी दूर की एक बात थी। दुकान पर अनेक लोग चाय पीने आते थे। उनमे से एक फादर भी थे जो नहीं जमुना की चतुराई भरी बातों से बहुत प्रभावित हुए। जब उन्हें पता चला कि आर्थिक परेशानियों के कारण जमुना स्कूल नहीं जा पा रही है तो उन्होंने उसकी पढाई के खर्चों को वहन करने की जिम्मेवारी उठा ली और आठवीं तक वह उनके सहयोग से पढ़ सकी।

पढ़ाई में जमुना की अच्छी प्रगति और रूचि को देखते हुए उनकी माँ ने आठवीं कक्षा के बाद भी अपनी तमाम परेशानियों के बावजूद उन्हें पढ़ाना जारी रखा। इस दौरान वह चाय की दुकान में माँ की सहायता भी करती रही। लड़कियों का जल्दी विवाह कर देना सिर्फ उड़ीसा ही नहीं बल्कि पूरे भारत की एक गंभीर समस्या है। जमुना को भी इसका सामना करना पड़ा। वे आगे पढना चाहती थीं लेकिन उनके बड़े भाई को लगता था कि दसवीं कक्षा से आगे पढने की कोई जरुरत नहीं है। इस तरह जमुना की शादी भी दसवीं पास करने के बाद हो गई। लेकिन शादी के बाद उन्होंने अपने सपने को जिन्दा रखा और वह सपना था अपने जैसे लोगों खासकर हाशिये पर मौजूद बच्चों और महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने का सपना। उन्होंने अपने आसपास के गांवों में जाकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और बाल श्रम तथा बाल विवाह आदि के खिलाफ जागरूकता

का प्रसार करना शुरू कर दिया।

उनके ससुराल में इसको लेकर कोई खास विरोध तो नहीं था लेकिन सबको यही लगता था कि वे एक व्यर्थ प्रयास कर रहीं हैं और इसका कोई फायदा नहीं होने वाला है। लेकिन जमुना को लगता था कि भले ही समय लगे लेकिन फायदा तो जरुर होगा। अभी तक वे अपने ही दम पर प्रयास कर रही थीं लेकिन उनके साथी और दोस्त उन्हें बार-बार कहते थे कि अब उनको एक संस्था शुरू करनी चाहिए ताकि बहुत से लोग मिलकर इस काम में शामिल हो सकें और संसाधन भी तलाशे जा सकें। इस तरह वर्ष 2007 में उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक सामाजिक नागरिक संस्था 'सोशल टीम फॉर अवेयरनेस एंड रूरल ट्रांसफार्मेशन-स्टार्ट)' का गठन किया। स्टार्ट संस्था ने खासकर महिलाओं के अधिकार हासिल कराने, घरेलु हिंसा को रोकने, वंचित और आदिवासी समुदाय के बच्चों को शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए काम करना शुरू किया।

संस्था के पास संसाधन नहीं थे इसलिए टीम और गतिविधियों की निरंतरता बनाये रखना मुश्किल हो रहा था। बस एक सपना था जिसे साकार करने के लिए वे काम कर रही थीं। इसी क्रम में उन्होंने एक नेटवर्क: 'नेशनल अलायंस फॉर ऑफ़ वीमेन आर्गेनाईजेशन' के साथ जुड़ गई। इससे उन्हें कुछ फायदे हुए, पहली बात तो यह कि उनकी अपनी आजीविका सुनिश्चित हुई, इस काम से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे संस्था की गतिविधियों के लिए देने लगी। तीसरा लाभ यह हुआ कि उन्हें काम करने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी हासिल हुई परन्तु यह पर्याप्त नहीं था।

नेशनल फाउंडेशन फॉर इण्डिया की अंकुरण परियोजना उनके लिए इस सवाल का जवाब भी लेकर आई। यह कार्यक्रम ऐसी संस्थाओं के क्षमतावर्धन का लक्ष्य लेकर आई जिनका नेतृत्व दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय की महिला साथियों द्वारा किया जा रहा है। जमुना जी ने इस परियोजना के लिए आवेदन किया और एक विस्तृत चयन प्रक्रिया के बाद उनकी संस्था का चयन भी हो गया। असली यत्र तो खैर चयन के बाद आरम्भ होनी थी। सभी सहभागी संस्थाओं के चयनित साथियों का नेशनल फाउंडेशन फॉर इण्डिया द्वारा वितीय प्रबंधन और एक संस्था के लिए लगातार काम में आने वाली वैधानिक प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संवैधानिक मूल्यों और जेंडर के साथ ही कम्युनिकेशन को बेहतर बनाने हेतु ट्रेनिंग दी गई। संस्थागत विकास को समझने में भी सहयोग किया गया। एक सामाजिक संस्था को वित्ते एवं अन्य संसाधन हासिल करने हेतु क्या प्रयास करने चाहिए इस पर भी सभी संस्थाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा एनएफआई के साथियों द्वारा निरंतर सहयोग के माध्यम से स्टार्ट संस्था और जमुना जी को बहुत जानकारियां एवं समर्थन हासिल हुआ। एनएफआई से श्री समीर मलिक द्वारा नियमित आधार पर संस्था का विजित किया जाता रहा और उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षणों में बताये गए विषयों पर टीम के सभी साथियों को जानकारी दी और जमीनी प्रक्रियाओं के साथ उसे जोड़ा। इसके अलावा उन्होंने कार्यक्रम प्रबधन, टीम प्रबंधन और मूल्यांकन आदि पर पूरी टीम की क्षमताओं को बेहतर करने में सहयोग प्रदान किया। इससे एक संस्था के तौर पर सभी की क्षमताएं बेहतर हुई। एक बहुत अच्छी बात यह हुई कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जमुना जी हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में प्रवीणता हासिल कर सकीं और बहुत अच्छे से अपने अंकुरण साथियों के साथ संवाद करने में सहज हैं।

उपलब्धि

अश्विनी वैष्णव

लेखक केन्द्रीय रेल, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं।

मिजोरम को जोड़ने का पीएम मोदी का लक्ष्य

यह बदलाव रेलवे, सड़कें, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश की वजह से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। लोग सरकारी योजनाओं से लाभ उठा रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भारत की विकास यात्रा का केंद्र माना जा रहा है। रेलवे में किए गए निवेश को ही देख लीजिए। वर्ष 2009 की तुलना में वर्ष 2014 में क्षेत्र के लिए रेलवे बजट पांच गुना बढ़ा है। सिर्फ इस वित्तीय वर्ष में ही 10,440 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2014 से वर्ष 2025 तक कुल बजट आवंटन 62,477 करोड़ रुपये रहा है। वर्तमान में 77,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं संचालित हैं। इससे पहले उत्तर-पूर्व ने इतना बड़ा निवेश कभी नहीं किया गया।

कई दशकों तक, पूर्वोत्तर को विकास की बाट जोहने वाला एक सुदूर सीमांत क्षेत्र माना जाता था। पूर्वोत्तर राज्यों में रहने वाले हमारे भाई-बहन तरक्की की उम्मीदें तो रखते थे, लेकिन जिस बुनियादी ढांचे और अवसरों के हकदार थे, वे उनकी पहुंच से दूर रहे। यह सब तब बदल गया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्ट ईस्ट नीति की शुरुआत की। जिस पूर्वोत्तर को कभी सुदूर सीमांत माना जाता था, आज उसकी एक अग्रणी क्षेत्र के रूप में पहचान स्थापित हो चुकी है।

यह बदलाव रेलवे, सड़कें, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश की वजह से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। लोग सरकारी योजनाओं से लाभ उठा रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भारत की विकास यात्रा का केंद्र माना जा रहा है। रेलवे में किए गए निवेश को ही देख लीजिए। वर्ष 2009 की तुलना में वर्ष 2014 में क्षेत्र के लिए रेलवे बजट पांच गुना बढ़ा है। सिर्फ इस वित्तीय वर्ष में ही 10,440 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2014 से वर्ष 2025 तक कुल बजट आवंटन 62,477 करोड़ रुपये रहा है। वर्तमान में 77,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं संचालित हैं। इससे पहले उत्तर-पूर्व ने इतना बड़ा निवेश कभी नहीं किया गया।

मिजोरम इस विकास गाथा का हिस्सा है। यह राज्य अपनी समृद्ध संस्कृति, खेल प्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। फिर भी, यह दशकों तक संपर्क की मुख्यधारा से दूर रहा। सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेल अब तक राजधानी तक नहीं पहुंच पाई थी। लोगों में आकांक्षाएं तो बलवती थीं, लेकिन विकास की मुख्यधारा अदृश्य थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों कल बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। 51 किलोमीटर लंबी यह परियोजना 8,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनी है और पहली बार आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री सैरांग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिज़ोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइजोल इंटरसिटी) के लिए तीन नई रेल सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे। यह रेलवे लाइन दुर्गम पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है। रेल अभियंताओं ने मिजोरम को जोड़ने के लिए 143 पुल और 45 सुरंगें बनाई हैं। इनमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। दरअसल, इस इलाके में, बाकी सभी हिमालयी लाइनों की तरह, रेलवे लाइन भी

पहले एक पुल, फिर एक सुरंग और फिर एक पुल के रूप में आगे बढ़ती है।

रेलवे को विकास का इंजन माना जाता है। यह नए बाज़ारों को करीब लाता है और व्यापार के अवसरों का सृजन करता है। नई रेल लाइन मिज़ोरम के लोगों का जीवन स्तर सुधारेगी। राजधानी एक्सप्रेस की शुरुआत के साथ ही आइजोल और दिल्ली के बीच की यात्रा का समय 8 घंटे कम हो जाएगा। नई एक्सप्रेस ट्रेनें आइजोल, कोलकाता और गुवाहाटी के बीच की यात्रा को भी तेज और आसान बनाएंगी। किसान, विशेष रूप से जो बांस की खेती और बागवानी से जुड़े हैं, वे अपनी उपज को तेजी से और कम लागत पर बड़े बाजारों तक पहुंचा पाएंगे। अनाज और खाद जैसे जरूरी सामान की ढुलाई आसान होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि हमारे लिए पूर्व अर्थात ईस्ट का अर्थ है- एम्पॉवर (सशक्त बनाना), एक्ट (कार्य करना), स्ट्रेंथन (मजबूत बनाना) और ट्रांसफॉर्म (बदलना)। ये शब्द पूर्वोत्तर के प्रति उनके दृष्टिकोण का सार बताते हैं। कई क्षेत्रों में निर्णायक पहलों ने इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव सुनिश्चित किया है। असम में टाटा का सेमीकंडक्टर संयंत्र, अरुणाचल प्रदेश में टाटो जैसी जलविद्युत परियोजनाएं और बोगीबील रेल-सह-सड़क सेतु जैसे ऐतिहासिक बुनियादी ढांचे इस क्षेत्र का रूप बदल रहे हैं। इसके साथ ही, गुवाहाटी में एम्स की स्थापना और 10 नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों ने स्वास्थ्य सुविधाओं और संपर्क को मज़बूत किया है।

कई दशकों तक मिज़ोरम के लोगों से सड़कों, विद्यालयों और रेल के लिए प्रतीक्षा करने को कहा जाता रहा। अब वह इंतज़ार ख़त्म हो गया है। कभी सीमांत कहे जाने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र में वर्तमान परियोजनाएं हमारे प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रमाण हैं, जिन्हें अब भारत की प्रगति में अग्रणी माना जाता है।

कटाक्ष

श्याम यादव

पत्रकार एवं व्यंग्यकार

इस्तीफा महत्व रखता है, कारण नहीं

इस्तीफे क़े अनेक कारण हवा मे तैर रहे हो,इस्तीफे क़े कारणों क़ो लेकर मीडिया वाले रायशुमारी करें, लेकिन इस्तीफ़ा देने की हकीकत किसी को न पता चले। यही तो शह और मात का खेल है। वैसे इस्तीफा देने या दिलवाये जाने की घटनाएं उस व्यक्ति की परिस्थियों पर निर्भर करती है। जो इस्तीफ़ा देता है या जिससे इस्तीफ़ा दिलवाया जाता है। इसमें इस्तीफे का कोई हाथ नहीं होता। समय काल और परिस्थियों क़े अनुरूप इस तरह दिए जाने वाले इस्तीफों को इस्तीफा देने वाला और इस्तीफ़ा लेने वाला दोनों अपने-अपने हिसाब से उपयोग करते हैं। ऐसे में बेचारा कागज पर लिखा हुआ इस्तीफ़ा दोनों क़े लिए 'अस्त्र' क़े रूप में काम करता है।

इस्तीफ़ा वास्तव में पद त्याग ही होता है। इस बात का कोई मतलब नहीं होता कि इस्तीफ़ा देने वाले ने स्वेच्छा से इस्तीफ़ा दिया या उस पर दबाव डाल कर इस्तीफ़ा दिलवाया गया। दोनों ही परिस्थितियों में इस्तीफा तो इस्तीफा ही कहलाता है। जब ये इस्तीफा देने कि खबर एक बार सार्वजनिक यानी वायरल हो जाती है, तो उसके बाद अपने इस्तीफा देने पर सफाई देने से बेहतर इस्तीफ़ा वाले क़े पास चुप्पी साध लेने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता। भले ही उसके इस्तीफे को ले कर हंगामा मचे या ख़ामोशी रहे। इस्तीफा देने वाला अपना मुंह नहीं खोलता। जमाना आपक़े इस्तीफे का कारण ढूंढता रहे। इस्तीफे क़े अनेक कारण हवा मे तैर रहे हो,इस्तीफे क़े कारणों क़ो लेकर मीडिया वाले रायशुमारी करें, लेकिन इस्तीफ़ा देने की हकीकत किसी को न पता चलेद्य यही तो शह और मात का खेल है।

वैसे इस्तीफा देने या दिलवाये जाने की घटनाएं उस व्यक्ति की परिस्थियों पर निर्भर करती है। जो इस्तीफ़ा देता है या जिससे इस्तीफ़ा दिलवाया जाता है। इसमें इस्तीफे का कोई हाथ नहीं होता। समय काल और परिस्थितियों क़े अनुरूप इस तरह दिए जाने वाले इस्तीफों को इस्तीफा देने वालाऔर इस्तीफ़ा लेने वाला दोनों अपने-अपने हिसाब से उपयोग करते हैं। ऐसे में बेचारा कागज पर लिखा हुआ इस्तीफ़ा दोनों क़े लिए

'अस्त्र' क़े रूप में काम करता है।

यदि आपको संस्थान या जहां भी आप हो, वहाँ से निकले जाने क़े आसार नज़र आ रहे हो तो आप स्वयं स्वास्थ्य या अन्य किसी भी कारण को लिखकर इस्तीफ़ा दे कर बाइज्जत बाहर का रास्ता देख सकते हैं। इसमें आपकी इज्जत भी बनी रह सकती है और बिदाई भी ससम्मान मिल जाती है। आप वहां से निकाले जाने क़े ठप्पे से भी बच जाते हैं। मतलब बेआबरू होने से बच सकते हैं और अधिकांश इस्तीफ़ों की पटकथा भी यही होती है।

नौकरी से इस तरह इस्तीफ़ा देने वाला कह सकता है, कि मैं नौकरी को ठोकर मार आया। लेकिन, सब जगह यह ठोकर नहीं चलती। कई जगह ठोकर मारी नहीं जाती उल्टा ठोकर खानी पड़ती है, और ये ठोकर अपने ही मारते है। इस तरह क़े इस्तीफे की ठोकर का दर्द खुद ही सहन करना पड़ता है और किसी क़ो बता भी नहीं सकते कि ठोकर किसने और क्यों मारी ! बस चुप रहने में ही भलाई रहती है

इसके अलावा कुछ इस्तीफे दबाव बनाने क़े लिए दिए जाते हैं। इस तरह क़े इस्तीफों का चलन प्रायः राजनीति में पाया जाता है। दबाव कि राजनीति करने वाले इस तरह क़े इस्तीफों का उपयोग करते है। कभी पद पाने क़े लिए और कभी अपना प्रभाव ऊपर तक दिखाने क़े लिए वे पहले अपनी समर्थकों से ऐसा माहौल बनवाते है और फिर इस्तीफ़ा देने का उपक्रम करते है।

इस्तीफा देते ही समर्थक इस्तीफ़ा वापस लेने क़े लिए भी दबाव बनाने लगते हैं। जगह जगह प्रदर्शन होने लगते है और हायकमान इस इस्तीफे क़ो अस्वीकार कर देते है,और इस्तीफे देने वाले की चाल सफल हो जाती है। अब जो जमाना बीत गया जब मंत्री अपने विभाग कि घटना दुर्घटना पर मंत्री पद से इस्तीफ़ा दिया करते थे। बहरहाल इस्तीफ़ा लिया जाय या इस्तीफा दिया जाय दोनों वैसा ही है जैसे खरबूजे पर छुरी गिरे या छुरी पर खरबूजा। कटना खरबूजे क़ो ही होता है। इस्तीफ़ा दिया या दिलवाया गया, इस्तीफ़ा तो इस्तीफ़ा होता है और उसके देते ही आपका हटना तय होता है।

उत्कृष्ट विद्यालय धार में जिला स्तरीय समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन हुआ

धार। उत्कृष्ट विद्यालय धार में 10 सितंबर को जिला स्तरीय समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित किया गया । कार्यक्रम का विषय था 'कला के माध्यम से समावेशी शिक्षा'। जानकारी देते हुए संस्था की प्राचार्य अमिता बाजपेयी ने बताया

कि जिले के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक अध्यापन करने वाले शिक्षकों द्वारा कक्षा में किए गए कार्य एवं नवाचार पर उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी गयी ।

जिला स्तरीय कार्यक्रम हेतु में वर्तिका गोहल (पी. एम. श्री शा. उ.मा.विद्यालय सेमल्दा) का चयन विषय शिक्षक हेतु किया गया जबकि शुभ्रा वर्मा (शासकीय सांदीपनि विद्यालय बदनावर) का चयन दृश्यकला की शिक्षिका हेतु में किया गया। चयनित प्रतिभागी संभाग स्तरीय आयोजन में शिरकत करेंगे । निर्णायक की भूमिका निभायी वरिष्ठ व्याख्याता आशीष शर्मा एवं ओमप्रकाश दया ने । कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन किया कला उत्सव एवं समृद्धि कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान ने ।

संध्या राजपुरोहित अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद मालवा प्रांत महिला प्रकोष्ठ की प्रांत अध्यक्ष नियुक्त

धार। संध्या राजपुरोहित अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद मालवा प्रांत महिला प्रकोष्ठ की प्रांत अध्यक्ष नियुक्त की गई। उनकी नियुक्ति पर प्रबुद्धजनों, शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए

शुभकामनाएं दी है। श्रीमती पुरोहित धार के जाने-माने प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सा के डॉक्टर सशेष राजपुरोहित की धर्मपत्नी है। श्रीमती संध्या राजपुरोहित को मालवा प्रांत का प्रांत अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर 18 महापुराण समिति के अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी, समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी समिति के संतोष पांडेय, दशरथसिग्गा, सरोज सोनी, सोनिया जोशी , सुंदर उपाध्याय,माया शर्मा एवं एवं समिति के सभी सदस्यों की ओर से बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की मंगल कामना करते हुवे कहा कि हमें गर्व है कि आप ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधित्व कर रही है ।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 64 ग्रामों को किया प्रशिक्षित

बैतूल। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बैतूल जिले में जनपद स्तरीय ब्लाक प्रोसेस लैब का आयोजन 1 सितंबर से 16 सितंबर तक सभी 10 जनपद पंचायतों के चयनित 554 ग्रामों में प्रारम्भ है। इसमें ब्लाक स्तरीय मास्टर टेनर्स द्वारा चयनित प्रत्येक गांव से ग्राम केडर के प्रतिभागियों को 2 दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 सितंबर से 11 सितंबर 2025 तक विकासखंड आठनेर, चिचोली, मुलताई एवं प्रभात पट्टन के चिन्हित

ग्रामों का प्रशिक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। अभियान के तहत 10 और 11 सितंबर को दो दिवस में 64 ग्राम जिसमें रामघाटी, सराडी, घुघरी पिपरिया, सिरजगांव, कोटमी, खांडे पिपरिया, बेला, लक्कड़ जाम, रजापुर, मल्हारा, गोलईबुजुर्ग, उचा गोहान, मेढाछिदवाडा एवं सूकी आदि चिन्हित सभी ग्रामों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण उपरांत चयनित ग्रामों में जाकर अभियान के संबंध में ग्राम वासियों को जानकारी प्रदान करेंगे तथा 4 बैठकों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी द्वारा गांव का सामाजिक एवं संसाधन मानचित्रण, ट्रांजेक्ट वॉक, गांव का विजन प्लान का निर्माण कर ग्राम सभा में अनुमोदन करवाएंगे। इसके अलावा चयनित प्रत्येक गांव में सेवा केन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके बाद चयनित प्रत्येक गांव में सेवा केन्द्र की स्थापना की जाएगी। यह प्रशिक्षण ब्लाक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की 44 टीमों द्वारा 16 सितंबर तक अलग-अलग ग्रामों के केडर को प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा सभी जनपद पंचायत स्तर पर स्वयं उपस्थित होकर आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा की जाएगी।

ट्रैक्टर की ट्राली एवं रोटावेटर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

बैतूल। बैतूल बाजार पुलिस ने चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल दाखिल किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मार्च को फरियादी दिलीप पिता विठ्ठलराव काले निवासी कोलगांव ने रिपोर्ट की कि उसके ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी हो गई है। रिपोर्ट पर थाना बैतूल बाजार में धारा 303(2) बीएनएस का पंजीयन कर विवेचना में लिया गया। 02 सितंबर को फरियादी कृष्ण कुमार हारोडे पिता किशोरीलाल हारोडे, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम सेहरा ने रिपोर्ट की कि उसके ट्रैक्टर का रोटावेटर चोरी हो गया है। रिपोर्ट पर थाना बैतूल बाजार में धारा 303(2) बीएनएस का पंजीयन कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर संदेही कमलेश पिता मुड्डा उइके निवासी बज्जरबाड़ा, चौकी पाढर, थाना कोतवाली को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया और बताया कि उसने अपने साथी गुड्डू उर्फ रविन्द्र नर्रे पिता दौलत नर्रे

निवासी कुप्पा थाना कोतवाली तथा दो नाबालिग अपचारी बालकों के साथ मिलकर चोरी की घटनाएं की हैं। आरोपी ने थाना बैतूल बाजार से ट्रैक्टर की 01 ट्रॉली एवं 01 रोटावेटर, थाना आठनेर से 02 ट्रॉली, थाना सांईखेड़ा से 01 ट्रॉली तथा थाना आमला से 01 ट्रॉली चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से अलग-अलग स्थानों से कुल 6 नग चोरी का सामान (5 ट्रॉली एवं 01 रोटावेटर) बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6,90,000 है। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय बैतूल में पेश किया गया, जहां से उसे जेल वारंट जारी कर जेल दाखिल किया गया है। वहीं फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे, उपनिरीक्षक विनोद मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक रमन धुर्वे, प्रधान आरक्षक प्रकाश धुर्वे, आरक्षक मुकेश पवार, आरक्षक कमल पवार, आरक्षक मनोज कोलारे एवं आरक्षक कमल चौरे की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध शराब परिवहन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। आठनेर पुलिस ने अवैध शराब का परिवहन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक काले रंग की मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 48 एमएस 8699 से डूडर से आठनेर की ओर अवैध शराब परिवहन की जा रही है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी सुखलाल पिता दौलत कुमरे(26) निवासी ग्राम डूडर, थाना आठनेर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 60 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 6 हजार बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी सुखलाल कुमरे के विरुद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया।

चोरी करने वाले आरोपी को परतवाड़ा (महाराष्ट्र) से किया गिरफ्तार

2 मामलों का खुलासा, 2,35,000 नगदी एवं कुल मसरूका लगभग 3,15,000 जप्त

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने चोरी करने वाले आरोपी दीपक दांगडे को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिसके कब्जे से कुल 3,15,000 का मसरूका जब्त किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 8 मई को फरियादी कृष्ण पाठा पिता जगन्नाथ पाठा (40) निवासी ग्राम भड़ूस ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 5 मई को अज्ञात आरोपी उसके घर से 50-50 रुपये की 10 गड्डियां (कुल 50,000) चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर

धारा 331(3), 305(8) भा.दं.सं. (बीएनएस) का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वहीं 9 सितंबर को फरियादी लक्ष्मण गाडगे पिता सुखचंद गाडगे (52) निवासी प्रभुढाना ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 8 सितंबर को अज्ञात आरोपी उसके सूने घर से 2,50,000 नगदी चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर धारा 331(3), 305(8) भा.दं.सं. (बीएनएस) का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों एवं आसूचना संकलन के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर ग्राम खरपी, थाना परतवाड़ा (महाराष्ट्र) से अभिरक्षा में लिया। पूछताछ पर उसने अपना नाम दीपक दांगडे पिता भीमराव दांगडे, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम घुघरी थाना भैंसदेही, हाल निवासी ग्राम खरपी थाना परतवाड़ा (महाराष्ट्र) बताया। उसने दोनों चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने आरोपी से नगदी 2,35,000 और घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल हीरो सीडी डिलक्स, कीमत लगभग 80,000, कुल मसरूका 3,15,000 रूपये जप्त किया है।

सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया स्टेट बैंक का भ्रमण

विद्यार्थी बैंकिंग कार्यप्रणाली एवं नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं व अन्य जानकारी से हुए अवगत

बैतूल। सांदीपनि विद्यालय घोड़ाडोंगरी के कक्षा 11 एवं 12वीं अर्थशास्त्र विषय एवं ब्यूटी वेलनेस के विद्यार्थियों ने गुरुवार स्टेट बैंक आफ इंडिया घोड़ाडोंगरी का भ्रमण किया। स्टेट बैंक के ब्रांच मैनेजर अरविंद सिंह ने शाला के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वागत किया। ब्रांच मैनेजर अरविंद सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों को बैंकिंग कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया

जिसमें एजुकेशन लोन, स्टार्ट अपलोन पर्सनल लोन आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी। शाला के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का काफी अच्छे से उत्तर दिया साथ ही प्रधानमंत्री बीमा योजना के बारे में विस्तृत रूप से विद्यार्थियों को बताया एवं अपने माता-पिता को बीमा करने के लिए प्रोत्साहित करने की समझाइए दी। उन्होंने साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत रूप से बताया किसी भी अनजान लिंक पर ई -केवाईसी न करने की सलाह दी ।इसी प्रकार राशि डबल करने जैसे वादों के लालच में ना कर किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से ही रूपयो के लेनदेन करने की सलाह दी। किसी अनजान व्यक्ति, बीमा कंपनी से लोन या अन्य लेनदेन न करने की सलाह दी । शाला के विद्यार्थियों द्वारा बैंकिंग कार्यप्रणाली एवं महत्वपूर्ण जानकारी के लिए ब्रांच मैनेजर अरविंद सिंह को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्राचार्य विवेक तिवारी एवं शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन किया तो मौत के बाद गांव वालों ने अंतिम संस्कार में शामिल होने से किया इंकार गांव में शव दफन की भी मनाही

पीड़ित के परिवार द्वारा घर वापसी और कसम खाने पर माने ग्रामीण

बैतूल/आमला। भले ही हमारे देश में खाने-पीने पहनने बोली भाषा और अपनी पसंद के धर्म चुनने की आजादी भी हमें संविधान देता हो और समय-समय पर व्यापक स्तर पर इसकी खूब चर्चा भी होती है, किंतु आज के सभ्य समाज में कई बार ऐसी तस्वीरें भी सामने आती है, जब हर तरफ एक सन्नाटा पैदा हो जाता है हर कहीं एक खामोशी छा जाती है।

लोभ में हो लालच में दबाव में या अन्य किसी भी तरह से जब देश में धर्म परिवर्तन के मामले सामने आते हैं, तो फिर समाज में एक नई बहस छिड़ जाती है, किंतु देश में ठोस कानून की कमी से आज भी समाज में ऐसी कई बदरंग तस्वीरें भी सामने आती है, जो फिर एक नई बहस छेड़ देती है, बैतूल ब्लॉक के कन्नड़गांव में बीते दिवस यहां रहने वाली एक आदिवासी महिला ललिता परते लगभग 50 वर्ष का देहांत हो गया था, किंतु इस संवेदनशील मौके पर भी जब आदिवासी समाज और गांव के अन्य लोग महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने से भी इंकार कर देते हैं और साथ ही पीड़ित परिवार को गांव के एकमात्र शमशान घाट के उपयोग पर भी रोक लगा देते हैं, तब कल्पना कीजिए उस समय पीड़ित परिवार पर क्या बीती होगी और आखिर समाज और गांव के अन्य लोगों ने भी तमाम मानवीय पहलुओं को दरकिनार करते हुए आखिर ऐसा निर्णय क्यों लिया होगा।

आदिवासी धर्म को छोड़कर अपनाया था ईसाई धर्म- इस मामले की जानकारी मिलने पर जब हम मौके पर पहुंचे तो मृतिका ललिता के पुत्र राजाराम ने हमें बताया कि हमारे आदिवासी समाज के लोगों को हम पर कई सालों से संदेह था कि हमने ईसाई धर्म अपना लिया है, और जब परिवार के मुखिया ललिता की मौत हुई तो समाज के लोगों ने उनके घर आने से भी इंकार कर दिया, और शव को गांव में दफनाने से भी मना कर दिया था। मृतिका के पुत्र के मुताबिक जब परिवार के अन्य सदस्य जिसमें तीन पुत्री और दामाद भी शामिल है इनके द्वारा जब बड़ा देव की कसम खाई गई और कहा कि हम फिर से आदिवासी समाज में शामिल हो रहे हैं तब मृतिका का अंतिम संस्कार किया गया। बैतूल ब्लॉक का कन्नड़गांव ग्राम पंचायत आदिवासी बाहुल्य पंचायत है, यहां लगभग 70 फ़ीसदी आदिवासी परिवार निवास करते हैं।

ग्रामीणों ने कहा कौन सी कमी थी जो अपनाया ईसाई धर्म

इस मौके पर गांव के आदिवासी समाज सहित हमने जब अन्य समाज के लोगों से भी बात की तो लोगों का कहना था, कि ललिता के पति की मृत्यु कई साल पहले ही हो चुकी थी ललिता द्वारा 5 वर्ष पहले ईसाई धर्म अपनाया गया था, ललिता और उसका परिवार दूसरे धर्म का ही पालन कर रही थी, गांव वालों के मुताबिक ललिता और उसके परिवार वाले गांव के किसी भी कार्यक्रम में भाग नहीं लेते थे, इस मौके पर ग्राम की सरपंच सविता सरयाम ने हमें बताया कि वह एक आदिवासी सरपंच है इन्होंने कहा कि मृतिका ललिता पाढर के किसी ईसाई मिशनरी के संपर्क में थी, उसका परिवार पूरी तरह से ईसाई हो चुका था, ऐसे में समाज के लोगों ने ही निर्णय लिया था कि आदिवासी से ईसाई बन चुके इस परिवार से अब कोई वास्ता नहीं रखा जाएगा। किंतु बाद में ललिता के परिवार ने आदिवासी धर्म अपनाया है।

शासकीय वाहन चालक संघ का हुआ विस्तार

विश्वकर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष झोड़ सचिव बने

बैतूल। मप्र शासकीय वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ की बैठक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश कोरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संघ की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कृष्णा विश्वकर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुकेश सोनी उपाध्यक्ष, अमित झोड़ सचिव, मूलचंद गुरदे उपसचिव, सुग्रीव धुर्वे कोषाध्यक्ष, मंजु उइके सह कोषाध्यक्ष, बलवंत राव देशमुख प्रचार प्रभारी, दिनेश

मालवीय प्रचार सचिव, मनीष उइके संगठन मंत्री, संजय बुंदेला सहायक यंत्री सहित कार्यकारिणी सदस्य मनीष धुर्वे, तीरथ सिंह सिसोदिया, कुंदन माहोरे, राजेश कौशल, नारायण मालवीय को सर्वसम्मति से मनोनीत किया है। नवनियुक्त कर्मचारियों को संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बधाई दी है।

जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ मनाएंगें मोदी जी जन्म दिवस: सुधाकर पवार

सेवा पखवाड़ा को लेकर आठ मंडलों की कार्यशाला संपन्न

बैतूल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत जिला भाजपा के 30 संगठनात्मक मंडलो की कार्यशाला होना है जिनमें आज जिले के आठ मंडलो की कार्यशालाएं संपन्न हुई। इसी कडी में बडोरा मंडल की कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का पूरा जीवन प्रेरणादायी है। श्री मोदी के जन्म दिवस से लेकर महात्मा गांधी के जन्मदिवस 2 अक्टूबर तक विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम जिला एवं मंडल स्तर पर होने वाले है। जिसके तहत रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, संगोष्ठियां एवं एक पेड मॉ के नाम के साथ साथ 25 सितंबर को हर बूथ पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती भी मनाई जाएगी। श्री पंवार ने कहा कि जनकल्याणकारी कार्यक्रमो मे समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हम मंडल की कार्यशालाएं कर रहे है। जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की आपेक्षीत सफलता के लिए अपने

क्षेत्र के मोर्चा पदाधिकारीयों व वरिष्ठ जनो के साथ लगातार संवाद करना हमारी परंपरा रही है। नए लोग कार्यक्रम में जुडे इसका प्रयास हम सभी को करना है। किस तरह हम जनकल्याणकारी कार्यक्रमो में नवाचार अपना सकते है। इसको लेकर भी चिंतन करें सबके सामुहिक प्रयास से हमने पिछले कार्यक्रमो मे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसीलिए प्रदेश नेतृत्व की मंशा को शत प्रतिशत पूरा करने की हमारी दोहरी जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें दोगुनी उर्जा के साथ सेवा पखवाडे के लिए आज से ही जुट जाना है। बडोरा मंडल की कार्यशाला के दौरान जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुंडे, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष भोला खंडेलवाल, मंडलअध्यक्ष नीतू पटेल, मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मण भैया , जनपद सदस्य पिंटू काकोडिया, वरिष्ठ नेता भगवान सिंह मौजूद रहे। कार्यशाला का मंच संचालन महामंत्री कृष्णा पाठा एवं कार्यशाला की समाप्ति पर आभार प्रवीण मंडाले द्वारा किया गया एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन किया गया। मंडल कार्यशाला में मंडल के सभी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी, पंच, सरपंच, सोशल मीडिया प्रभारी देवेश नारे, सोशल मीडिया सह प्रभारी विजय खण्डेलवाल सहित सभी पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्योग कार्यालय के सामने पैक्स कर्मचारियों की हड़ताल जारी

बैतूल समेत पूरे प्रदेश में कलमबंद आंदोलन, दुकानों पर लटके ताले

बैतूल। मध्यप्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ, भोपाल जिला इकाई बैतूल के पैक्स कर्मचारी गुरुवार 11 सितंबर को भी जिला उद्योग कार्यालय के सामने हड़ताल पर डटे रहे। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी लंबित तीन सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं होता और शासन द्वारा जारी आदेशों का पालन जिला स्तर पर सुनिश्चित नहीं किया जाता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। महासंघ के जिला अध्यक्ष अरुण अडलक ने बताया कि बीते 19 अगस्त को महासंघ पदाधिकारियों और आयुक्त एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, विंध्याचल भवन के बीच हुई बैठक में तीन

प्रमुख मांगों को लेकर चर्चा हुई, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं होने पर आंदोलन को जारी रखने का फैसला किया गया। ज्ञापन में महासंघ ने बताया कि 26 सितंबर को भोपाल में विशाल प्रदर्शन, चक्काजाम और मुख्यमंत्री निवास, सहकारिता मंत्री निवास, विंध्याचल भवन जैसे स्थलों पर घेराव किया जाएगा। महासंघ ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों का समाधान निर्धारित तिथियों के पूर्व नहीं किया गया तो कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। जिससे खाद-बीज वितरण जैसी आवश्यक सेवाएं बाधित होंगी, इसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन और प्रशासन की होगी। जिला अध्यक्ष अरुण अडलक का कहना है कि शासन द्वारा पैक्स कर्मचारियों के हित में निर्णय लिया जाता है तो पैक्स संस्थाएं की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और कर्मचारियों का भविष्य उज्जवल होगा।

पीएम मित्र पार्क बदलेगा देश के दिल की तस्वीर औद्योगिक और आर्थिक विकास को लगेंगे पंख

पीएम मोदी का आगमन सौभाग्य की बात, पीएम मित्र पार्क से खुलेंगे विकास के नए द्वार, आएगी समृद्धि : सीएम मोहन यादव

राजेश शर्मा

17 सितम्बर का दिन मध्यप्रदेश के लिए मानों नयी औद्योगिक क्रांति के सूत्रपात का दिन। पीएम मोदी पीएम मित्र पार्क की आधारशिला ही नहीं रखेंगे अपितु देश के दिल की तस्वीर और तकदीर बदलेंगे । इस सौगात को मध्य प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है । पीएम मित्र पार्क से मध्यप्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को पंख लगेंगे... देश को 7 पीएम मित्र पार्क की सौगात मिली है , मध्यप्रदेश भी इसमें शामिल है। धार जिले के बदनावर के भैंसोला में 2177 एकड़ में पीएम मित्र पार्क आकार ले रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को धार जिले की बदनावर विधानसभा के भैंसोला में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया।

पीएम मित्र पार्क मोदी के 5 एफ विजन के आधार पर विकसित किया जा रहा है... – पीएम मित्र पार्क यानी प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क इसे पीएम मोदी के 5 एफ विजन फार्म टू, फाइबर टू, फैक्ट्री टू, फैशन टू, फॉरेन के आधार पर विकसित किया जा रहा है।

पीएम मित्र पार्क सौगात को मध्य प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है ... – पीएम मित्र पार्क सौगात को मध्य प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। इस पार्क के लिए अभी तक कई हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं. देश और विदेश की कई बड़े टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने निवेश को लेकर रूचि दिखाई है। मध्यप्रदेश का आर्थिक परिदृश्य नव संभावनाओं का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है ...महत्वाकांक्षी पीएम मित्र पार्क बनने से देश के दिल मध्यप्रदेश के विकास की गूंज देश और दुनिया में सुनाई देंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मोदी जी अपने जन्म दिवस 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के आदिवासी अंचल में विकास के नए द्वार खुलेंगे और समृद्धि आएगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री 17 सितंबर को भैंसोला में पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन करने पधार रहे हैं। पीएम मित्रा पार्क के निर्माण से समूचे मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलने वाली है। केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं चेतन्य काश्यप ने भी अपनी बात रखी। मध्यप्रदेश के लिए यह नई सुबह है लाखों हाथों को रोजगार और हजारों करोड़ का निवेश । देश और दुनिया के टेक्सटाईल मानचित्र पर जल्द ही मध्यप्रदेश की गूंज सुनाई देंगी।

छिंदवाड़ा जिला सहकारी बैंक में आयकर सर्वे

पैन, एफडी पर ब्याज की गलत रिपोर्ट दे रहा था बैंक, भोपाल-जबलपुर टीम की कार्यवाही

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग की इंटेलिजेंस एवं क्रिमिनल इनवेस्टीगेशन भोपाल एवं जबलपुर की टीम ने आज छिंदवाड़ा शहर के जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय पर सर्वे की कार्यवाही शुरू की है। इस बैंक में एसएफटी की गलत डिटेल भरने की वजह से आयकर अधिनियम 133 ए के अंतर्गत स्पॉट वेरिफिकेशन की कार्यवाही चालू की गई है ।

सर्वे की यह कार्यवाही गलत पैन, इंटरेस्ट, एफडी पर प्राप्त ब्याज की गलत जानकारी दिए जाने समेत अन्य गलत स्टेटमेंट दिए जाने के चलते शुरू हुई है। जांच कर रही टीम के अनुसार को-ऑपरेटिव बैंक्स को भी वित्त वर्ष के दौरान चालू खाते में 50 लाख से अधिक एवं बचत खाते में 10 लाख रुपए से अधिक नकद जमा करने एवं 10 लाख से अधिक के फिक्स डिपाजिट करने वाले खातों की जानकारी आयकर विभाग को सही-सही देना है।

साथ ही जो जानकारी दी जाए वह आधी अधूरी नहीं होनी चाहिए। आयकर अधिनियम की धारा 285 BA के अंतर्गत बैंकों के लिए बाध्य है लेकिन सहकारी बैंकों द्वारा इस मामले में लापरवाही की जाती है और गलत जानकारी दी जाती है। यह कार्यवाही सुधाकर नामदेव शिंदे डायरेक्टर आई एंड सीआई भोपाल की टीम द्वारा की जा रही है जिसमें प्रज्ञेश श्रीवास्तव,आयकर अधिकारी, इंटेलिजेंस एण्ड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एवं उनकी टीम शामिल है। कार्यवाही के देर रात तक चलने की संभावना है।

रायसेन में जिला स्तरीय युवा संगम मेला संपन्न

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित पीएमश्री स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में मंगलवार को विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय युवा संगम मेला का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक डॉ चौधरी द्वारा सरकार की स्वरोजगार मूलक योजनाओं तथा कार्यक्रमों के बारे में युवाओं को संबोधित किया गया और विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति तथा राशि वितरण पत्र प्रदान किए गए। युवा संगम मेले में अनेक कम्पनियों द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न पदों के लिए युवाओं का प्राथमिक चयन भी किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस युवा संगम में वॉल्वो, आइशर, डीईसीजी ग्रुप, यशस्वी ग्रुप, नवभारत फ़र्टिलाइज़र, राव्या वर्क फोर्स प्राइवेट लिमिटेड, शिव शक्ति ग्रुप, होम हेल्प केयर, गोकुल्दास एक्स्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड तथा पुखराज हेल्थ कार्ड प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य कम्पनियां शामिल हुई। इस युवा संगम में 301 युवाओं द्वारा पंजीयन करवाया गया। विभिन्न कम्पनीयो द्वारा उनकी मापदंड अनुसार लगभग 164 हितग्राहियो का प्राथमिक चयन किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बैंको के माध्यम से 893 हितग्राहियो को लगभग रु. 15.93 करोड़ का ऋण वितरण कराया गया। अतिथियों द्वारा मंच से स्वरोजगार योजनाओं में 9 हित्ग्राहियो को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ शिविर के साथ साथ युवाओं की मानसिक काउंसलिंग भी की गयी।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय नील गगन के लिये स्वच्छ वायु दिवस पर कार्यशाला सम्पन्न

हरदा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय नील गगन के लिये स्वच्छ वायु दिवस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वायु प्रदूषण एवं ग्लोबलवॉर्निंग संबंधी विषयों पर संवेदीकरण किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नील गगन के लिये स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर 7 सितंबर से 9 सितम्बर तक संस्थाओं में सन्दर्भित विषय पर चिकित्सा अधिकरियो, स्वास्थ्य कर्मियों, नर्सिंग स्टाफ, ए.एन.एम, कम्यूनिटी मोबिलाइजर, सी.एच.ओ, एम.पी.डब्ल्यू., बी. ई. ई. आदि का उन्मुखीकरण एवं प्रचार प्रसार की गतिविधियों आयोजित की जाना। श्री सिंह ने अपील कि है की सामुदायिक जुड़ाव गतिविधियों जैसे स्थानीय मेले, धार्मिक कार्यक्रमों में घुऐंदार चुल्हे का उपयोग कम करें तथा वायु प्रदूषण रोकने के लिये समस्त स्थानीय सम्मानीय जनमानस से एकजूट होकर प्रदूषण करने वाले समस्त स्त्रोतो का प्रयोग बन्द करने के लिये मुहीम चलाने को कहा। इस अवसर पर डॉ सुनिल द्विवेदी जिला स्वास्थ्य अधिकारी,डॉ जे.के चौरे, डॉ एम.के.चौरे,डॉ शैलजा, महाजन,डॉ आर के चौधरी, डॉ रष्मि गडतिया, बीपीएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैतूल जिले में 4.97 करोड़ की अनुग्रह सहायता वितरित

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेशभर में अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर बैतूल जिले के 218 प्रकरणों में कुल 4.97 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। जिले के प्रकरणों में से 180 सामान्य मृत्यु, 33 दुर्घटना मृत्यु तथा 5 आंशिक स्थाई अपंगता से संबंधित हैं। इन सभी प्रकरणों में पात्र हितग्राही परिवारों को सहायता राशि प्रदान की गई।जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

जिले के 78 श्रमिक परिवारों के खाते में अंतरित की एक करोड़ 65 लाख रू सहायता राशि

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आज मंत्रालय से मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रदेश के 7,953 श्रमिक परिवारों को 175 करोड़ रूपए की अनुग्रह सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा संबल योजना के तहत रायसेन जिले के 78 हितग्राही परिवारों के बैंक खाते में एक करोड़ 65 लाख रूपए की सहायता राशि का अंतरण किया गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार उपाध्याय, श्रम पदाधिकारी श्री जीएस मेहदेले तथा हितग्राहियों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ यादव के उद्बोधन का लाईव प्रसारण देखा वा सुना गया।

शासकीय महिला आईटीआई में रोजगार-स्वरोजगार मेला आयोजित

सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीहोर स्थित डॉ. अम्बेडकर शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेले में 356 युवाओं ने अपना पंजीयन कराया तथा कंपनियों द्वारा 172 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया। रोजगार मेले में स्वरोजगार विभागों द्वारा अनेक योजनाओं के तहत हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृत कर प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

जिला अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने की तैयारियों को जांचने की गई मॉक ड्रिल

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिला अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें एंबुलेंस से मरीज को अस्पताल लाकर तत्काल इलाज दिया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मॉक ड्रिल के दौरान मरीज को एम्बुलेंस से लाकर स्ट्रेचर के माध्यम से आईसीयू वार्ड में भर्ती कर त्वरित जांच और उपचार की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने जिला अस्पताल में आईसीयू वार्ड, पैथालॉजी लैब सहित अन्य वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। साथ ही मरीजों से भी संवाद किया। उन्होंने सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन से भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मॉक ड्रिल के दौरान एक एम्बुलेंस सायरन बजाते हुए जिला अस्पताल पहुंची, जिसमें मरीज के तौर पर एक कर्मचारी मौजूद था। अस्पताल के डॉक्टर्स और कर्मचारी तुरंत हरकत में आए, स्ट्रेचर लेकर मरीज को एम्बुलेंस से उतारा और आईसीयू में ले जाकर तुरंत इलाज शुरू किया। सीएमएचओ ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों का अनुकरण करके घायलों या मरीजों को वास्तविक घटनाओं के दौरान किस प्रकार त्वरित रूप से प्रभावी उपचार दिया जा सकता है, इसका पूर्वाभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल से आपातकालीन परिस्थितियों में अस्पताल के कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वय का आकलन किया जाता है।

अनुग्रह सहायता राशि का प्रकरण लंबित रखने पर तहसील कार्यालय के बाबू पर कार्यवाही

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम गेहूं बारसा निवासी जगदीश सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि दिलाए जाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि अगस्त माह में बारिश के चलते उनका मकान गिर गया है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक की व्यथा सुन कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने गंभीरता पूर्वक प्रकरण की जांच की। जिसमें मुलताई तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू की लापरवाही से अनुग्रह सहायता राशि नहीं मिलना पाया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने लापरवाह बाबू के पांच दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश मुलताई तहसीलदार को देते हुए शीघ्र सहायता राशि दिलाए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान 135 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम सावंगी निवासी रसना सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से बताया कि बैतूल इटारसी रोड स्थित निजी स्कूल में उन्होंने शिक्षिका के रूप में जॉइनिंग ली थी, जिसके लिए उन्होंने डिपॉजिट भी जमा किया था।

सितंबर से अप्रैल माह की अवधि तक का मानदेय सहित डिपॉजिट की राशि 22 हजार 333 रुपए स्कूल संचालक द्वारा अब तक नहीं दिए गए हैं। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने श्रम विभाग के अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शाहपुर तहसील के ग्राम भौंरा निवासी दीपक महोबिया ने आवेदन के माध्यम से भाइयों द्वारा स्वयं की जमीन पर प्रधानमंत्री आवास नहीं बनाने दिए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने शाहपुर तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम सोनोरा निवासी कृष्ण राव देशमुख सहित अन्य ने ग्राम में हुए अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई तहसीलदार को ग्राम सोनोरा में हुए अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम बरई निवासी भारत बोबडे ने अवैध कब्जा हटाए जाने के लिए आवेदन दिया।

खण्ड स्तरीय दिव्यांग छात्रों के लिए शिविर का आयोजन

विदिशा (निप्र)। बासौदा विकासखंड में खण्ड स्तरीय दिव्यांग छात्रों के लिए शिविर का आयोजन मानस भवन बासौदा में किया गया। बासौदा के कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत छात्रों ने अपने पालकों के साथ आये छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, पात्र छात्र-छात्राओं ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए एवं श्रवण परीक्षण, बौद्धिक परीक्षण, नेत्र परिक्षण, अस्थि परीक्षण सहित छात्रों के विभिन्न प्रकार स्वास्थ परीक्षण किए गए। ऐसे छात्र-छात्रा जिनके विकलांगता का प्रतिशत 40 प्रतिशत है या इससे अधिक है उन्हें शिविर में दिव्यांग प्रमाण पत्र देने की कार्यवाही की गई और प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। शिविर में 136 छात्र-छात्राओं का पंजीयन किया गया, जिसमें बेरा टेस्ट 04, मेडिकल प्रमाण पत्र बनाए गए और जिसमें कक्षा 9 से 12 के 29 छात्र एवं कक्षा 1 से 8 के छात्र-छात्राएं शामिल हुए और 71 छात्रध्छात्राओं को उपकरण वितरण के लिए चिन्हांकित किया गया जिन्हें अगले शिविर में उपकरण वितरित किए जाएंगे। शिविर के मुख्य अतिथि डॉक्टर अभिजीत देशमुख ने कार्यक्रम को संबोधित किया इस दौरा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी व शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय के डॉक्टर प्रमोद दीवान सहित सभी चिकित्सकों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में बीआरसी बृजेंद्र रघुवंशी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समस्त पालकों सहित उपस्थित अधिकारी-कर्मचारी को धन्यवाद दिया। बीआरसी बृजेंद्र रघुवंशी ने संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं है हमें दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास करने होंगे जिससे शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्राप्ति मां कोई दिक्कत ना आएं।

प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

विदिशा (निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम ने आज मंगलवार को नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। जिला न्यायालय परिसर में आयोजित उक्त कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश श्री जी.सी. शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में समस्त जिला न्यायाधीशगण, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री संतोष शर्मा एवं सचिव श्री राजेन्द्र सिंह दांगी भी सम्मिलित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए कुल 34 खण्डपीठों का गठन किया गया है। इसमें 6730 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 2522 लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। साथ ही संपत्ति कर, जल कर एवं बैंक संबंधी मामलों में ब्याज एवं अधिभार की राशि पर छूट भी प्रदान की जाएगी।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल की 45 छात्राएं जॉब के लिए रवाना

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में 9 सितंबर को 45 छात्राएं जॉब के लिए टाटा इलेक्ट्रानिक्स हुसुर तमिलनाडू के लिए रवाना हुई। प्रस्थान के अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, श्री सुधाकर पवार, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री बृजआशीष पाण्डे, सचिव श्री पीयुष तिवारी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सोनू भलावी, जिला रोजगार अधिकारी श्री श्याम कुमार धुर्वे, सुश्री तुलिका पचौरी, श्रीमती निमिषा शुक्ला, श्रीमती प्रमिला धोत्रे, नोडल प्राचार्य श्री केशव सातपुते एवं संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे, श्री राहुल कांवले, श्री गोलु बत्रा, श्रीमती रश्मि साहू, श्री सुनील भलावी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे ने चयनित प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए पूरे मनोयोग से कंपनी में अच्छी छवि बनाकर जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। श्री सुधाकर पवार ने एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जॉब के लिए जाने वाली छात्राओं में जगाए गए आत्मविश्वास की प्रशंसा की। श्रीमती वंदना जाट ने जाने वाली छात्राओं को प्रेरित करते हुए बताया कि आज का युग नारी शक्ति का युग है। सुश्री तुलिका पचौरी ने जाने वाली छात्राओं सतर्कता पूर्वक कार्य करते हुए लगातार उन्नति के शिखर प्राप्त करने हेतु प्रेरणा दी। श्री बृजआशीष पाण्डे ने एकलव्य महिला आईटीआई में चल रही सकारात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था महिला सशक्तिकरण के लिए मील के पत्थर की तरह है, जहां सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की वंचित वर्ग की छात्राओं के उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है। संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि कौशल विकास विभाग के हुनर पहल के तहत महिला सशक्तिरण एवं कौशल विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। उन्नति फाउण्डेशन बैंगलुरू द्वारा प्रत्येक ट्रेड की प्रशिक्षणार्थियों को 30 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें कम्ययूनिकेशन स्कील साफ्ट स्कील इंग्लिश स्पीकिंग का प्रशिक्षण सम्मिलित है। इसी प्रकार हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन एवं हेल्थ क्लब गतिविधि के तहत प्रतिदिन योगा एवं कराते प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कौशल विकास विभाग के साथ वाधवानी फाउण्डेशन के तहत हुए एमओयू के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास एवं यूएनएफपीए के तहत जीवन तरंग कक्षाएं आयोजित कर जीवन कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्लेसमेंट आफिसर श्री विवेक दायमा ने बताया कि इस वर्ष इन 45 छात्राओं के अलावा इससे पूर्व 09 छात्राएं प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर जॉब के लिए गई है। इसी कम में फ्लोरीकल्चर ट्रेड के 28 छात्रों का चयन जुनियर हार्टिकल्चर कान्हाशांतिवनम् के लिए हआ है, जिन्हें शीघ्र ही रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्री दिलीप कुमार सोनी, श्रीमती पुष्पा नागले, श्रीमती विनिता पाटील, श्री मनीराम महोबे, श्री रूपेश ठाकरे, श्री सोनू लिल्होरे, श्री लीलाधर कुंभारे, श्री राघवेन्द्र सिंह ठाकुर श्री रामनारायण गंगारे, श्री सचिन सरले, श्री संदीप धुर्वे श्री सुरेन्द्र डढ़ोरे, श्री दिलीप बेले, श्री कृष्ण कांत बोबड़े, श्री महेश चौधरी, श्री सोनू मराठा उपस्थित थे।

आज मुख्यमंत्री पेटलावद से

प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में करेंगे 1541 करोड़ से अधिक राशि का अंतरण

345 करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 सितंबर शुक्रवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झाबुआ जिले के पेटलावद से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनान्तर्गत प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 28वीं किश्त के 1541 करोड़ से अधिक राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत प्रदेश के 53.48 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों के खातों में 320.89 करोड़ से अधिक राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी उपभोक्ता एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना श्रेणी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाड़ली बहनों एवं विशेष पिछड़ी जनजाति की आर्थिक योजनान्तर्गत पंजीकृत 31 लाख से अधिक बहनों के खातों में 450 रूपये गैस रिफिल की 48 करोड़ से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण भी करेंगे।

345.34 करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन एवं लोकार्पण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झाबुआ जिले के 345.34 करोड़ रूपये लागत के 72 से अधिक विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। जिसमें विभिन्न विभागों के 194.56 करोड़ रूपये के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 150.78 करोड़ रूपये लागत के 37 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

झाबुआ के संजीवक पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिला प्रशासन द्वारा तैयार जनजातीय आयुर्वेदिक परंपरा एवं चिकित्सा ज्ञान पर केंद्रित पुस्तक झाबुआ के संजीवक का विमोचन करेंगे। जिले में जड़ी बूटियों से उपचार का समृद्ध ज्ञान जनजातीय वर्ग में सदियों से विद्यमान है। जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा के समृद्ध ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने के लिए डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार की जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन कर दस्तावेजीकरण कर पुस्तक के रूप में संकलित किया गया है।

दिव्यांगजन को कस्टमाईज्ड व्हीकल प्रदान करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बीपीएल परिवार के 11 दिव्यांग हितग्राहियों को चार पहिया पेट्रोल चलित मोटर साईकिल का वितरण भी करेंगे।

सीएम डॉ. मोहन यादव से नवागत आयुक्त, जनसंपर्क दीपक सक्सेना ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। नवागत आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना ने गुरुवार को प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश माध्यम का कार्यभार ग्रहण किया।

मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट

मानसून ट्रफ एक्टिव लेकिन एमपी से दूर नए सिस्टम तक हल्की बारिश का दौर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस मानसूनी सीजन में सामान्य से 10 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है, लेकिन अभी भी 20 से ज्यादा जिलों में कोटा पूरा नहीं हुआ है।

मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में हाल बुरे हैं। 15 में से 5 जिले खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, शाजापुर और बड़वानी में 27 इंच पानी भी नहीं गिरा है। हालांकि, सितंबर के दूसरे पखवाड़े में यहां भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में एक मानसून ट्रफ, डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है, लेकिन ये प्रदेश से दूर है। इस वजह से कुछ जिलों में ही बारिश हो रही है। बाकी में सूखा है।

आज इन जिलों में बारिश के आसार

गुरुवार को मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल में हल्की बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर-ग्वालियर में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

भोपाल, डिंडौरी समेत 10 जिलों में गिरा पानी

बुधवार को भी भोपाल समेत 10 से ज्यादा जिलों में रिमझिम बारिश दर्ज की गई। डिंडौरी में झमाझम बारिश हुई। नर्मदापुरम में बारिश का दौर होने से तवा डैम फिर से छलक उठा। बालाघाट के मलाजखंड में पौन इंच से ज्यादा बारिश हुई तो छिंदवाड़ा में आधा इंच पानी गिर गया। भोपाल, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, खजुराहो, सीधी में भी हल्की बारिश हुई।

बरगी में गोवंश से भरा कंटेनर पकड़ाया

जबलपुर (नप्र)। रीवा-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग(एनएच 35) पर अवैध रूप से गोवंश तस्करी की जा रही है। गुरुवार को बरगी के पास गोवंश से भरा कंटेनर पकड़ा गया, जिसमें 60 से ज्यादा गोवंश ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना पर हाईवे से कंटेनर को पकड़कर बरगी पुलिस ने कब्जे में लिया। हालांकि मौका मिलते ही ड्राइवर कंटेनर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर ट्रक मालिक और अज्ञात चालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

सूचना के बाद हाईवे में की घेराबंदी

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि रीवा,कटनी, सतना तरफ से नागपुर की ओर बड़ी संख्या में गोवंश को भरकर ले जाया जाता है। दोपहर को जैसे ही बजरंग दल को पता चला कि एक बड़े कंटेनर में गोवंश ले जाए जा रहे हैं। कार्यकर्ता बरगी पुलिस के साथ तिनसी गांव के पास पहुंचे और कंटेनर को रोकने की कोशिश की। चालक ने सड़क किनारे वाहन को रोका और फरार हो गया। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लिया और दरवाजा खोला तो देखकर दंग रह गए।

जिंदा-मृत गोवंश पड़े हुए थे- पुलिस ने कंटेनर का गेट खोला तो देखा कि क्रूरतापूर्वक गोवंश भरे हुए हैं। कुछ जिंदा थे तो कुछ मर गए थे। पुलिस ने पशु चिकित्सा विभाग को सूचना देकर मौके पर बुलाकर घायल गोवंशों का इलाज करवाया। कंटेनर में 11 गोवंश की मौत हो चुकी थी।

पीडब्ल्यूडी मंत्री बोले-

भोपाल का 90 डिग्री ब्रिज सही

इसमें कोई तकनीकी समस्या नहीं, मुख्यमंत्री ने आठ अफसरों को सस्पेंड किया था

राकेश सिंह, मंत्री

जबलपुर (नप्र)। भोपाल के जिस 90 डिग्री में खामियां बताकर आठ अफसरों को सस्पेंड किया गया था, उस ब्रिज को पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने गुरुवार को सही बताया है। उन्होंने जबलपुर में मीडिया से कहा- ब्रिज को लेकर कोई समस्या थी ही नहीं, लेकिन उसका प्रचार-प्रसार इस तरह किया गया कि वह सुर्खियों में आ गया।

मंत्री ने कहा- 90 डिग्री का कोई मुद्दा नहीं था। इस तरह के पुल और चौराहे देश और प्रदेश में बहुत सारे बने हुए हैं। महत्वपूर्ण यह है कि सेफ्टी मेजर्स का पालन हुआ है या नहीं और इस मामले में पालन किया गया है।

उन्होंने कहा कि जहां पुराने शहर और पुरानी बसाहट होती है, वहां जब पुल और सड़कों का निर्माण करना होता है, तो जगह की कमी के कारण 90 डिग्री पर जाना ही पड़ता है। कई बार ऐसी परिस्थितियां बनती हैं।

भोपाल का ब्रिज वास्तव में 114 डिग्री का पुल

लोक निर्माण मंत्री ने कहा- भोपाल के जिस ब्रिज को 90 डिग्री का बताया जा रहा है, वह वास्तव में 114 डिग्री का है। उस पर किसी तरह की कठिनाई नहीं है। ब्रिज में कोई तकनीकी समस्या नहीं है। ठेकेदार और अन्य लोगों पर जो कार्रवाई की गई, वह बेहतर तालमेल न होने के कारण हुई है। विभाग द्वारा हाईकोर्ट को जवाब देना है, जिसे तैयार कर लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई चल रही है।

हाईकोर्ट ने कहा- फिर ठेकेदार पर कार्रवाई क्यों की?

90 डिग्री ब्रिज मामले में बुधवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच के सामने मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) की सिविल इंजीनियरिंग विभाग की जांच रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट पढ़ने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- जब ठेकेदार ने पीडब्ल्यूडी के निर्देशों के अनुसार ही काम किया है, तो फिर उस पर कार्रवाई क्यों की गई? ठेकेदारों को सजा नहीं, बल्कि मेडल मिलना चाहिए।